सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 218 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 22 मई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

पत्नी और बेटे की मौत के सदमे में सराफा कारोबारी ने की खुदकुशी

रायपुर। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में एक सराफा कारोबारी द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। कारोबारी प्रवाल सोनी का शव उनके घर में फांसी के फंदे पर मिला। घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई है। शुरुआती जांच में मामला मानसिक तनाव और पारिवारिक दुख से जुड़ा माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक प्रवाल सोनी पुरानी बस्ती इलाके में ज्वेलरी व्यवसाय संचालित करते थे। बीते एक वर्ष में उनके परिवार में लगातार हुई दुखद घटनाओं के बाद वे काफी तनाव में बताए जा रहे थे। पिछले साल उनके छोटे बेटे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। बेटे की मौत के कुछ समय बाद उनकी पत्नी ने भी आत्महत्या कर ली थी। इन घटनाओं के बाद से कारोबारी अकेलेपन और अवसाद से गुजर रहे थे। पुलिस के अनुसार घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसकी जांच की जा रही है। फिलहाल पुलिस मर्ग कायम कर पूरे मामले की पड़ताल कर रही है।

कोरबा में पटाखों का अवैध भंडारण, 50 हजार के पटाखे जब्त

कोरबा। कोतवाली थाना के मानिकपुर चौकी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रेलवे कॉलोनी झोपड़ी स्थित एक दुकान से भारी मात्रा में अवैध पटाखे जब्त किए हैं। पुलिस ने आरोपी लोचन प्रसाद केशरवानी उर्फ कर्रा केशरवानी को गिरफ्तार कर लिया है। जब्त पटाखों की कुल कीमत करीब 50,000 रुपये आंकी गई है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि चौकी मानिकपुर क्षेत्र के रेलवे कॉलोनी झोपड़ी में आरोपी अपनी दुकान में अवैध रूप से पटाखों का भंडारण कर बिक्री कर रहा है। शादी, पार्टी अन्य कार्यक्रम में बेच रहे हैं। मानिकपुर चौकी पुलिस ने मौके पर दबिश दी। तलाशी के दौरान दुकान से पटाखों का जखीरा बरामद हुआ है। 48 वर्षीय आरोपी लोचन प्रसाद केशरवानी,नकछेड़ प्रसाद केशरवानी, रेलवे कॉलोनी झोपड़ी का ही निवासी है। आरोपी के पास पटाखों के भंडारण या बिक्री का कोई वैध लाइसेंस नहीं था। विस्फोटक अधिनियम के तहत इतनी बड़ी मात्रा में पटाखे रखना गैर-कानूनी है।

छत्तीसगढ़ में हीटवेव का अलर्ट, मिनटों में सनबर्न का खतरा

भिलाई। छत्तीसगढ़ में गर्मी लगातार बढ़ रही है। मौसम विभाग ने प्रदेश के मध्य छत्तीसगढ़ क्षेत्र में अगले 5 दिनों तक अलग-अलग इलाकों में हीटवेव चलने की संभावना जताई है। वहीं अगले 4 दिनों में अधिकतम तापमान में 1 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी होने का अनुमान है। इसके बाद तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं होगा। पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव दर्ज नहीं किया गया। इस दौरान रायपुर के माना क्षेत्र में सबसे अधिक 45 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। वहीं अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान 25.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सबसे कम रहा। हालांकि कुछ इलाकों में हल्की बारिश भी दर्ज की गई, लेकिन इसका गर्मी पर ज्यादा असर नहीं पड़ा।

200 आदिवासियों की घर वापसी, विधायक भावना बोहरा ने पैर पखारकर किया स्वागत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। जिले के पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के वनांचल ग्राम बूचीपारा में गुरुवार को आयोजित संस्कृति गौरव सम्मेलन व अभिनंदन समारोह में बड़ी संख्या में आदिवासी परिवारों ने अपने मूल धर्म में वापसी की। कार्यक्रम में पास्टर समेत ग्राम छिरहा, पीपरहा, कुल्हीडोंगरी, जामुनपानी, नागाडबरा और नवापारा के करीब 200 आदिवासियों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ अपने मूल धर्म में प्रवेश किया। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय भाजपा विधायक भावना बोहरा ने सभी लोगों का पैर पखारकर स्वागत और अभिनंदन किया। मंच पर मौजूद लोगों ने इसे आदिवासी संस्कृति और परंपरा के संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम बताया।

जागरूक हो रहा समाज

इस मौके पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि पंडरिया विधानसभा क्षेत्र अब केवल विकास के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक मूल्यों के संरक्षण के लिए भी पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि वर्षों से वनांचल क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से धर्मांतरण के प्रयास किए गए, जिससे आदिवासी समाज की सांस्कृतिक पहचान को कमजोर करने की कोशिश हुई। अब समाज जागरूक हो रहा है और अपनी संस्कृति व मूल आस्था की ओर लौट रहा है।

जारी रहेगा धर्म रक्षा का प्रयास

भावना बोहरा ने कहा कि कुछ लोग निजी स्वार्थ के लिए भोले-भाले आदिवासी परिवारों को भ्रमित कर धर्मांतरण कराने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन आदिवासी संस्कृति, स्वाभिमान और परंपराओं की रक्षा के लिए प्रयास लगातार जारी रहेंगे। कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, समाज प्रमुख, जिला व जनपद सदस्य, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

दुर्ग में चार की संदिग्ध मौत : पति-पत्नी फंदे पर और बच्चों के शव बेड पर मिले

■ मोहन नगर थाना क्षेत्र का मामला, बच्चों को जहर देने के बाद पति-पत्नी के आत्महत्या की आशंका

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले में शुक्रवार को एक मकान से दंपती और उनके दो बच्चों की लाश संदिग्ध परिस्थितियों में मिली है। शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि दंपती ने पहले दोनों बच्चों की हत्या की। इसके बाद खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर डीआईजी विजय अग्रवाल के साथ पुलिस के आला अधिकारी पहुंच गए हैं। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। पुलिस सभी के शव का पंचनामा कार्रवाई कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गए हैं। मौके से सुसाइड नोट भी बरामद किया गया है, जिसमें आर्थिक तंगी और परिवारिक विवाद का जिक्र है। घटना मोहन नगर थाना क्षेत्र की है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पारिवारिक तनाव के चलते आत्महत्या को आशंका जताई जा रही है। मृतक में गोविंद साहू (45), चंचल साहू (42),यशवंत साहू (10), दृष्णा साहू (13) के रूप में पहचान की गई है। बेटा यशवंत और बेटी दृष्णा साहू का शव बिस्तर में मृत अवस्था में शव मिला। वही पति गोविंद साहू और पत्नी चंचल साहू का शव फांसी के फंदे पर झूलते शव मिले हैं। बेटा और बेटी को जहर दिए जाने की आंशका जताई जा रही है। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी मिली है। जिसमें उसने सामूहिक आत्महत्या का कारण लिखा है। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है।

आर्थिक तंगी की बात आई सामने

शुरुआती पूछताछ और आसपास के लोगों से मिली जानकारी में परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने की बात सामने आई है। आशंका जताई जा रही है कि आर्थिक तंगी और पारिवारिक तनाव के चलते दंपती ने यह आत्मघाती कदम उठाया होगा। हालांकि, पुलिस ने आत्महत्या के पीछे की वजहों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पुलिस घर से मिले साक्ष्यों और मोबाइल कॉल डिटेल की जांच कर रही है। साथ ही परिजनों और पड़ोसियों से भी पूछताछ की जा रही है, ताकि घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। इस पूरे मामले में मोहन नगर थाना पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच पूरी होने के बाद मामले का खुलासा हो सकेगा।

छत्तीसगढ़ की भाजपा नेत्री से दिल्ली में रेप झारखंड के कारोबारी पर केस दर्ज

■ कारोबारी ने निवेश का दिया झांसा, रेप के बाद ब्लैकमेलिंग कर 2.5 करोड़ ठगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से भाजपा नेत्री के साथ दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि झारखंड के रांची निवासी कारोबारी संजय सिंह ने दिल्ली में महिला के साथ रेप किया। पीड़िता की शिकायत पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक भाजपा नेत्री सिविल लाइन क्षेत्र की रहने वाली हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनका दिल्ली आना-जाना लगा रहता था। करीब 2 साल पहले उनकी पहचान संजय सिंह से हुई थी। इस दौरान संजय सिंह ने खुद को बड़ा कारोबारी बताते हुए माइनिंग कारोबार में निवेश पर अच्छा मुनाफा होने का भरोसा दिलाया। आरोपी ने व्यापार में साझेदारी और मोटे लाभ का झांसा देकर महिला से निवेश कराया। इसी दौरान दोनों के बीच संपर्क बढ़ता गया।

भाजपा नेत्री का आरोप है कि कारोबारी ने भरोसे का फायदा उठाते हुए सितंबर 2025 में नजदीकियां बढ़ाईं और बाद में दिल्ली में दुष्कर्म किया। महिला ने पुलिस को बताया कि कारोबारी संजय ने उनसे अलग-अलग किश्तों में करीब 2 करोड़ 50 लाख रुपए लिए। आरोप है कि संजय ने आरटीजीएस समेत अलग-अलग माध्यमों से रकम लेने के बाद कैश में निवेश कराने का झांसा दिया। बाद में जब भाजपा नेत्री ने अपने पैसे वापस मांगे, तब आरोपी उल्टा ब्लैकमेल कर अवैध वसूली करने लगा। पुलिस ने महिला की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। मामले में मोबाइल चैट, कॉल डिटेल्स, लेनदेन और अन्य दस्तावेजों की जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि आरोपी की तलाश में पुलिस टीम झारखंड भी गई थी। हालांकि, फिलहाल आरोपी पुलिस गिरफ्त से बाहर है।

चंद्रपुर में बाघ ने किया हमला, चार महिलाओं की मौत, जंगल में तेंदू के पत्ते कर रही थी इकट्ठा

चंद्रपुर ए.। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में शुक्रवार सुबह एक बाघ ने चार महिलाओं को मार डाला। यह महिलाएं शुक्रवार की सुबह तेंदू के पत्ते इकट्ठा कर रही थी। तभी यह घटना हुई। यह जानकारी वन अधिकारी ने दी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना जिला मुख्यालय से लगभग 70 किलोमीटर दूर सिंदेवाही तहसील के गुंजेवाही गांव के पास हुई।

दरअसल, महिलाओं का एक समूह तेंदू के पत्ते इकट्ठा करने के लिए जंगल में गया था। जब वह पत्ते इकट्ठा करने में व्यस्त थीं, तभी एक बाघ ने हमला किया। इसमें चार की मौत हो गई। मृत महिलाओं की पहचान कावादाबाई मोहुरले (45), अनीताबाई मोहुरले (40), सुनीता मोहुरले (38) और संगीता चौधरी (50) के रूप में हुई है। ये सभी गुंजेवाही की निवासी थीं। हालांकि यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि बाघ ने सभी महिलाओं को एक ही स्थान और समय पर मारा या अलग-अलग स्थानों पर मारा है। वहीं, सूचना मिलते ही वन अधिकारियों की एक टीम उस क्षेत्र में पहुंची। मुख्य वन संरक्षक (चंद्रपुर सर्कल) आरएम रामानुजन ने कहा, पंचनामा के बाद अधिक जानकारी सामने आएगी।

भारत-साइप्रस वार्ता, पीएम मोदी बोले- समय की कसौटी पर खरे उतरे संबंध

नईदिल्ली ए.। भारत और साइप्रस के संबंधों को नई मजबूती देने की दिशा में शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस के बीच नई दिल्ली स्थित हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय वार्ता हुई। पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देशों की दोस्ती न केवल मजबूत है, बल्कि भविष्य की जरूरतों और संभावनाओं के अनुरूप भी है। बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री समेत दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

पीएम मोदी और साइप्रस के राष्ट्रपति ने संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों के संबंध समय की कसौटी पर बार-बार खरे उतरे हैं और अब इन्हें नई दिशा देने के लिए रिश्तों को

रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस और उनके प्रतिनिधिमंडल का भारत में स्वागत करते हुए कहा कि पिछले वर्ष साइप्रस यात्रा के दौरान उन्हें मिले गर्मजोशी भरे स्वागत और सम्मान को भारत कभी नहीं भूलेगा। उन्होंने कहा कि साइप्रस द्वारा दिया गया सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत के प्रति सम्मान और दोनों देशों के गहरे रिश्तों का प्रतीक है।

दोनों देशों के बीच निवेश का लक्ष्य

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में साइप्रस से भारत में निवेश लगभग दोगुना हुआ है, जो दोनों देशों के बीच बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के चलते कई नई आर्थिक संभावनाएं खुली हैं और भारत अगले पांच वर्षों में इस निवेश को फिर से दोगुना करने का लक्ष्य रखता है।

वैश्विक मुद्दों पर भी हुई चर्चा

उन्होंने बताया कि दोनों नेताओं के बीच वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि चाहे यूक्रेन का मुद्दा हो या पश्चिम एशिया की स्थिति, भारत शांति और संघर्षों के जल्द समाधान के प्रयासों का समर्थन करता रहेगा।

रायपुर एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा, 30 फीट ऊंचाई से नीचे गिरा मजदूर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट में मरम्मत कार्य के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। एयरपोर्ट के वेटिंग एरिया में सीलिंग रिपेयरिंग कर रहा मजदूर अचानक ऊंचाई से नीचे गिर पड़ा। हादसे में मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मजदूर करीब 30 फीट की ऊंचाई पर काम कर रहा था। इसी दौरान उसका संतुलन बिगड़ा और वह सीधे नीचे फर्श पर गिर गया। घटना के बाद एयरपोर्ट परिसर में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने तत्काल घायल को अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों के अनुसार घायल मजदूर की हालत नाजुक बनी हुई है और उसे निगरानी में रखा गया है। फिलहाल उसकी पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है।

घटना के बाद एयरपोर्ट प्रबंधन और ठेकेदार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। बताया जा रहा है कि मजदूर के पास कोई सुरक्षा बेल्ट या अन्य सेफ्टी उपकरण नहीं थे। ऐसे में ऊंचाई पर काम के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी को हादसे की बड़ी वजह माना जा रहा है। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस और संबंधित विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई। अधिकारी यह पता लगाने में जुटे हैं कि सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही किस स्तर पर हुई।

सीएम साय बोले- आरक्षण पर नहीं अपनी काबिलियत से आई हैं महिला कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

मनेंद्रगढ़। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी के तानसेन प्रेसवार्ता के दौरान जिले महिला कलेक्टर, महिला एसपी और महिला सीईओ को लेकर सीएम साय ने बयान दिया। सीएम साय ने कहा कि ऐसा नही है जो यहां पर कलेक्टर पोस्ट किये गए हैं। महिलाओं के नाते किये गए हैं। उनमे काबिलियत है। आगे कहा कि महिलाएं आज हर एक क्षेत्र जोर शोर से आगे हैं। एजुकेशन के सेक्टर में भी 10वीं 12वीं में जो टॉपर हैं। उसमे

बेटियों की संख्या ज्यादा होती है। आज हमारे देश में महिला राष्ट्रपति ही विराज मान हैं। फाइटर प्लेन भी आज बेटियां चला रही है। ऐसा मत सोचिए की महिला कलेक्टर जो आई हैं आरक्षण में आई हैं बल्कि वह अपनी काबिलियत से आई हैं।

विनेश फोगाट को दिल्ली हाईकोर्ट से राहत कोर्ट ने भारतीय कुश्ती संघ को फटकारा

■ डब्ल्यूएफआई ने फोगाट को घरेलू टूर्नामेंट में हिस्सा लेने किया था अयोग्य घोषित

नईदिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) को फटकार लगाई। डब्ल्यूएफआई ने पहलवान विनेश फोगाट को घरेलू टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया था। कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि वह फोगाट का मूल्यांकन करने के लिए एक विशेषज्ञ पैनल बनाए।

चीफजस्टिस डी.के. उपाध्याय और जस्टिस तेजस करिया की बेंच ने केंद्र सरकार से यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि फोगाट को आने वाले एशियन गेम्स के सिलेक्शन ट्रायल में हिस्सा लेने की इजाजत दी जाए। पीठ ने टिप्पणी की कि डब्ल्यूएफआई का शीर्ष खिलाड़ियों को भाग लेने की अनुमति देने की पूर्व प्रथा पर नहीं चलना 'बहुत कुछ कहता है'।

पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि देश में मातृत्व का जश्न मनाया जाता है और संघ को 'प्रतिशोध' की भावना से कार्य नहीं करना चाहिए। अदालत ने केंद्र से फोगाट का मूल्यांकन करने के लिए एक विशेषज्ञ पैनल गठित करने को कहा। हाईकोर्ट ने मौखिक रूप से कहा, 'विशेषज्ञों से उसकी संभावनाओं का मूल्यांकन करने को कहें। यह सुनिश्चित करें कि वह भाग ले सके।'

संपादकीय

लू से हलाकान जिंदगी

आपदा मानकर तैयारी बढ़ाने की जरूरत

हाल के दिनों में आसमान से बरसती आग से देश में जन-जीवन बुरी तरह झुलस रहा है। रोज तापमान बढ़ने के नये रिकॉर्ड सामने आ रहे हैं। ये असहनीय तापमान केवल स्वास्थ्य की चुनौती मात्र नहीं है, बल्कि एक आर्थिक संकट भी है। देश में असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिक भीषण गर्मी में काम करने को मजबूर हैं। यदि वे ऐसा न करें तो उनके सामने आजीविका का संकट पैदा हो जाता है। स्कूल-कालेज तो लू के दौरान बंद किए जा सकते हैं, सरकारी व गैर सरकारी दफ्तरों में काम के घंटों में बदलाव किया जा सकता है, लेकिन खेत में काम करने वाले खेतिहर मजदूर व निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों को तो तपती दोपहरी व लू के बीच काम करने को मजबूर होना पड़ता है। दरअसल, लू की मार जहां शारीरिक है, वहीं आर्थिक भी। लगातार बढ़ते तापमान से लोगों की आजीविका और श्रम उत्पादकता पर बुरा असर पड़ रहा है। इस संकट को हाल के दिनों में हुई ईंधन की कीमतों की वृद्धि और महंगाई ने और बढ़ा दिया है। लोगों को सीमित संसाधनों में जीवन यापन को मजबूर होना पड़ रहा है। विडंबना यह है कि इस संकट का सबसे घातक प्रभाव उस तबके को सहन करना पड़ता है जो 'रोज कुंआ खोदकर पानी पीने' को बाध्य है। एक दिन की कमाई से ही रात को उसके घर का चूल्हा जलता है। लू के निशाने पर वे अनौपचारिक श्रमिक हैं जो भारतीय आर्थिकी की रीढ़ है। सही मायनों में लू के खिलाफ लड़ाई को अब केवल एक मौसमी सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या ही नहीं माना जा सकता है। धीरे-धीरे यह एक गंभीर आर्थिक चुनौती भी बनी है। अनेक अंतर्राष्ट्रीय संगठन इस बाबत चेताते रहे हैं। वर्ष 2024 में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने अनुमान लगाया था कि लू से उपजे हालात से भारत को सौ अरब डॉलर का नुकसान हुआ था।

इससे पहले वर्ष 2022 में विश्व बैंक ने चेतावनी दी थी कि भारत का तीन-चौथाई श्रमिक वर्ग लू से प्रभावित क्षेत्रों में काम करने को मजबूर है। अनुमान है कि लू के तनाव के कारण होने वाली विश्वव्यापी नौकरियों की कमी में भारत की हिस्सेदारी आधी हो सकती है। दरअसल, भारत में सबसे अधिक जोखिम वाले समूहों में निर्माण श्रमिक, खेतिहर श्रमिक, किसान, स्ट्रीट वेंडर और डिलीवरी एजेंट शामिल हैं। हालांकि, समय-समय पर केंद्र व राज्य सरकारों ने कार्य समय का पुनर्निधारण, छायादार विश्राम क्षेत्र बनाने, जलपान सुविधा, सुरक्षात्मक कपड़े और स्वास्थ्य निगरानी को लेकर एडवाइजरी जारी की है,लेकिन फिर भी संकट के दायरे को देखते हुए ये उपाय नाकाफी हैं। देखा जाए तो फिलहाल भारत में गर्मी के संकट से मुकाबले के लिये बनायी गई योजनाएं काफी हद तक अस्थायी रूप से राहत देने वाली हैं। वक्त की मांग है कि भीषण गर्मी वाले महीनों के लिये तत्काल व्यापक नीतिगत ढांचा तैयार किया जाए। ऐसा तंत्र विकसित करने की जरूरत है जो लू चलने के दौरान सुरक्षित कार्य परिस्थितियों को एक मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता प्रदान करे। इस साल के आरंभ में वित्त आयोग ने सिफारिश की थी कि भीषण गर्मी के दौरान चलने वाली लू को आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत अधिसूचित आपदाओं की सूची में शामिल किया जाए। निस्संदेह, इस वर्गीकरण से राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष से मिलने वाले धन का उपयोग लोगों को राहत और सहायता प्रदान करने में मदद देगा। इसके अलावा लू के दौरान कई अन्य नकारात्मक प्रभाव भी देखने में आते हैं। मसलन इस समय बिजली व पानी की खपत अप्रत्याशित रूप से बढ़ जाती है। इससे निबटने के लिये मजबूत और सक्रिय तंत्र विकसित करने की जरूरत है। निर्विवाद रूप से देश के नीति-निर्माताओं और अन्य हितधारकों के सामने इस संकट से मुकाबले के लिये स्पष्ट विकल्प मौजूद हैं। केंद्र व राज्य सरकारों को चाहिए कि समय रहते निर्णायक रूप से अनुकूलन का तंत्र विकसित करें। यदि समय रहते इस दिशा में कदम नहीं उठाया गया तो भविष्य में अधिक मानवीय क्षति व आर्थिक कीमत चुकानी पड़ सकती है।

> “ दरअसल, लू की मार जहां शारीरिक है, वहीं आर्थिक भी। लगातार बढ़ते तापमान से लोगों की आजीविका और श्रम उत्पादकता पर बुरा असर पड़ रहा है। इस संकट को हाल के दिनों में हुई ईंधन की कीमतों की वृद्धि और महंगाई ने और बढ़ा दिया है। लोगों को सीमित संसाधनों में जीवन यापन को मजबूर होना पड़ रहा है। विडंबना यह है कि इस संकट का सबसे घातक प्रभाव उस तबके को सहन करना पड़ता है जो 'रोज कुंआ खोदकर पानी पीने' को बाध्य है। एक दिन की कमाई से ही रात को उसके घर का चूल्हा जलता है। लू के निशाने पर वे अनौपचारिक श्रमिक हैं जो भारतीय आर्थिकी की रीढ़ है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026: दुनिया को सचेत उपभोग की ओर प्रेरित करना

श्री प्रताव राव जाधव

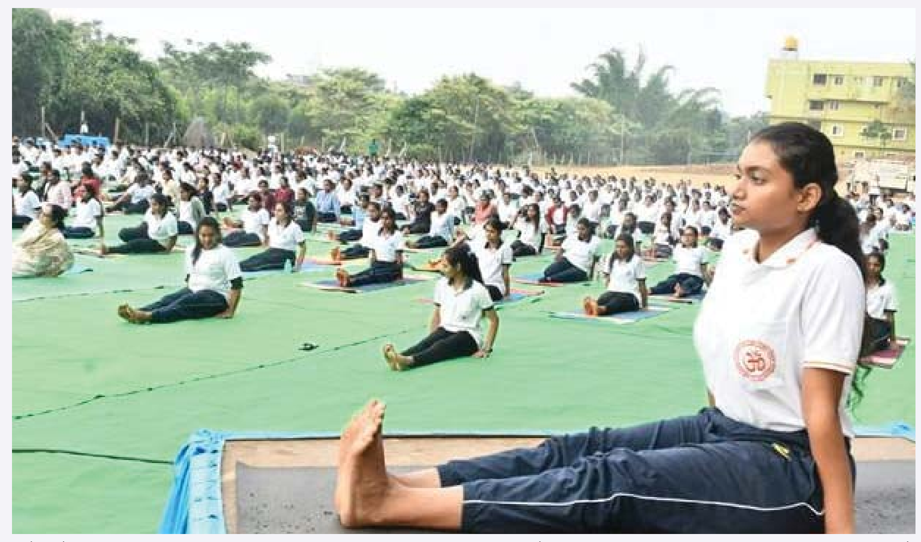

आज जब दुनिया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 मना रही है, मानवता एक निर्णायक सभ्यतागत मोड़ पर खड़ी है। वर्तमान में हम अभूतपूर्व तकनीकी और भौतिक प्रगति के युग में जी रहे हैं, फिर भी हम जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों, बढ़ते मानसिक तनाव, पर्यावरणीय क्षरण और जीवन जीने के अस्थिर तरीकों जैसी चुनौतियों का सामना भी कर रहे हैं। इनमें से कई संकटों के मूल में एक ही चुनौती नज़र आती है- वस्तुओं का अनियंत्रित और बिना सोचे-समझे किया जाने वाला उपभोग।

प्राकृतिक संसाधनों के ज़रुरत से ज्यादा दोहन से लेकर डिजिटल उपयोगिता पर अत्यधिक निर्भरता और अस्थिर जीवनशैली तक, आज आधुनिक समाज संतुलन से लगातार दूर होता जा रहा है। और इसी संदर्भ में, योग न केवल एक प्राचीन स्वास्थ्य अभ्यास के रूप में, बल्कि एक ज़िम्मेदार जीवन जीने के लिए एक कालातीत रूपरेखा के रूप में उभर कर सामने आता है। योग मानवता को आत्म-नियमन, संयम और सचेत विकल्पों की ओर एक शक्तिशाली मार्ग प्रदान करता है। यह हमें सिखाता है कि हम अपने भीतर और अपने आस-पास की दुनिया के साथ सामंजस्य कैसे स्थापित करें।

सोच समझकर वस्तुओं का उपभोग करने का आह्वान

अत्यधिक उपभोग की वैश्विक चुनौती से निपटने के लिए, हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व ने 'मिशन LiFE' (लाइफ़स्टाइल फॉर एनवायरनमेंट) के ज़रिए एक सशक्त दिशा प्रदान की है। COP26 में, प्रधानमंत्री ने एक ऐसे सिद्धांत को सामने रखा, जो योग के दर्शन से गहराई के साथ जुड़ा है: आज ज़रूरत है सचेत और सोच-समझकर उपयोग करने की, न कि बिना सोचे-समझे और विनाशकारी तरीके से उपभोग करने की।

हाल ही में, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और आपूर्ति-श्रृंखला में आई बाधाओं के बीच, प्रधानमंत्री ने इस अपील का विस्तार करते हुए इसे एक दैनिक नागरिक ज़िम्मेदारी का रूप दिया। उन्होंने नागरिकों को प्रोत्साहित किया कि वे जान-बूझकर ऐसे उपभोग को सीमित करें, जिनसे बचा जा सकता है, जैसे ईंधन बचाना, अनावश्यक ऊर्जा का उपयोग कम करना, और गैर-ज़रूरी खर्चों पर दोबारा विचार करना। यह अपील किसी चीज़ की कमी या अभाव पर आधारित नहीं है, बल्कि, यह सामूहिक सशक्तिकरण, निरंतरता और राष्ट्रीय ज़िम्मेदारी के लिए एक रणनीतिक और नैतिक आह्वान है। जैसा कि उन्होंने हमें याद दिलाया: हर छोटा-बड़ा प्रयास मायने रखता है, ठीक वैसे ही जैसे हर एक बूंद से घड़ा भरता है।

ये विचार योग के बुनियादी सिद्धांतों से गहराई से जुड़े हुए हैं। योग दर्शन 'अपरिग्रह' - यानी अनावश्यक चीज़ों को जमा करने से बचना और 'संतोष' यानी अपनी असली ज़रूरतों से संतुष्ट रहना, की बात करता है। ये सिद्धांत मिलकर एक ऐसी सोच पैदा करते हैं, जो लोगों को अंधाधुंध उपभोग से दूर सचेत जीवन की ओर प्रेरित करती है। योग हमें निष्क्रिय उपभोक्ता से बदलकर इस धरती का ज़िम्मेदार रखवाला बनाता है।

पारिस्थितिक संतुलन के लिए एक साधन के रूप में योग

पृथ्वी पर इंसानी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए तो काफी संसाधन हैं, लेकिन इंसान की असीमित लालच को पूरा करने के लिए नहीं। योग प्रकृति के साथ हमारे आपसी जुड़ाव की भावना को गहरा करके इस जागरूकता को फिर से जगाने में मदद करता है। जिस हवा में हम सांस लेते हैं, जो भोजन हम करते हैं और जिस स्थिरता की हम तलाश करते हैं, ये सभी एक साझा पारिस्थितिक तंत्र का हिस्सा हैं।

योग का अभ्यास धीरे-धीरे हमारे व्यवहार को भीतर से बदल देता है। यह मन की बेचैनी को शांत करता है, जल्दबाज़ी वाली आदतों को कम करता है और आत्म-अनुशासन को मज़बूत बनाता है। आज की दुनिया, जो पल भर के सुख और अत्यधिक उपभोगवाद से संचालित होती है, उसमें योग वह आंतरिक स्पष्टता पैदा करता है, जिसकी ज़रूरत हमें अपनी असली ज़रूरतों और कभी न खत्म होने वाली इच्छाओं के बीच फर्क समझने के लिए होती है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा आयुष, दोनों मंत्रालयों से जुड़े मंत्री के तौर पर, मैं हर दिन यह देखता हूँ कि योग किस तरह गैर-संक्रामक रोगों (एनसीडी) के खिलाफ एक निवारक सार्वजनिक स्वास्थ्य साधन के रूप में काम करता है। शारीरिक गतिविधि, मानसिक संतुलन और अनुशासित जीवन शैली को बढ़ावा देकर, योग अस्वस्थ आदतों और अत्यधिक चिकित्सीय हस्तक्षेपों पर हमारी निर्भरता को कम करता है। एक योगिक जीवन शैली स्वाभाविक रूप से सादगी, संयम, संतुलित पोषण, कम बर्बादी और संसाधनों के सचेत उपयोग को बढ़ावा देती है, ठीक वही व्यवहारिक बदलाव, जो पर्यावरणीय स्थिरता के लिए ज़रुरी है।

इस प्रकार, योग न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य का एक मार्ग है, बल्कि यह व्यवस्था में जिम्मेदारीपूर्ण जीवन के लिए एक व्यावहारिक ढाँचा भी है।

भारत का वैश्विक योग नेतृत्व

आज, जब योग दुनिया के लिए भारत के सबसे प्रभावशाली योगदानों में से एक बन गया है। यह स्वास्थ्य, सद्भाव और सामूहिक कल्याण की एक शक्तिशाली अभिव्यक्ति भी बन चुका है। जो योग एक प्राचीन सभ्यतागत प्रथा के रूप में शुरू हुआ था, वह आज एक वैश्विक आंदोलन बन गया है, जो भूगोल, राजनीति, भाषा और संस्कृति की सीमाओं से परे है।

हर साल, कई महाद्वीपों में लाखों लोग योग समारोहों में भाग लेते हैं। वे केवल आसन ही नहीं करते, बल्कि एक स्वस्थ, अधिक संतुलित और टिकाऊ जीवन की साझा आकांक्षा को भी अपनाते हैं। योग निवारक स्वास्थ्य सेवा, मानसिक कल्याण और सचेत जीवन शैली की एक सार्वभौमिक भाषा के रूप में उभरा है।

योग के ज़रिए, भारत ने दुनिया को समग्र स्वास्थ्य के लिए एक ऐसा गैर-बाध्यकारी और समावेशी ढाँचा प्रदान किया है, जो आधुनिक चिंताओं का समाधान शाश्वत ज्ञान के साथ करता है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 का यही महत्व है। चूँकि योग दुनिया भर में लाखों लोगों के जीवन को छूता है, इसलिए यह बड़े पैमाने पर व्यवहारिक परिवर्तन को प्रेरित करने के लिए एक बेजोड़ मंच भी प्रदान करता है। योग की सामूहिक भावना के ज़रिए, स्थिरता, संयम और सचेत जीवन-शैली के संदेश अधिक दूर तक पहुँच सकते हैं और लोगों के मन में गहरी छाप छोड़ सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के लिए एक सामूहिक संकल्प

सच्चा कल्याण अकेले अस्तित्व में नहीं हो सकता। मानव स्वास्थ्य, सामुदायिक कल्याण और संपूर्ण ग्रह का स्वास्थ्य आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं। जलवायु परिवर्तन, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों और पर्यावरण के क्षरण की चुनौतियों के लिए न केवल नीतिगत हस्तक्षेप, बल्कि व्यवहार में परिवर्तन भी ज़रुरी है।

इस अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर, आइए हम अपनी प्रतिबद्धता को योग मैट से आगे बढ़ाएं। आइए हम योग को केवल दैनिक अभ्यास के रूप में ही नहीं, बल्कि जीवन शैली के रूप में अपनाएं। एक ऐसी जीवन शैली जो सचेत उपभोग, आंतरिक अनुशासन और पारिस्थितिक जिम्मेदारी को प्रोत्साहित करती है।

आइए हम प्रधानमंत्री के सचेत जीवन जीने के आह्वान पर काम करें और एक ऐसे भविष्य का निर्माण करें, जहां तरक्की और विकास को केवल हमारे उपभोग से नहीं, बल्कि हमारी जिम्मेदारी से जीने के तरीके से मापा जाए। अपने आंतरिक वातावरण को बदलकर, हम सब मिलकर अपने ग्रह के बाहरी वातावरण को ठीक कर सकते हैं।

(लेखक आयुष मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री राज्य मंत्री हैं।)

समस्या से बचें नहीं, सामना करें, कौन जाने आप ही समाधान खोज लें

एन. रघुरामन

दूसरों के बारे में तो मुझे नहीं पता, लेकिन मेरे परिवार को हाल ही में घरेलू मोर्चे पर एक समस्या झेलनी पड़ी। हमारे घर में काम करने वाले लोग गांव चले गए। यह हर साल का रिवाज है, किन्तु उनकी जगह काम करने वाला कोई आसानी से मिल जाता है। लेकिन इस बार कोई नहीं मिला। इसकी वजह राज्य चुनाव और शादी का सीजन बताया गया। तब मेरी पत्नी ने रोम्बा का सहारा लिया- झाड़ू-पोंछा करने वाला रोबोटिक वैक्यूम क्लीनर।

उसके काम से प्रभावित होकर मैंने खोजा कि इसे किसने बनाया। ये 58 साल की हेलन ग्रेनर थीं। रोबोटिक्स में ग्रेनर की दिलचस्पी तब शुरू हुई, जब उन्होंने 10 साल की उम्र में 'स्टार वार्स' फिल्म देखी और उसके किरदार आर2-डी2 से बेहद प्रभावित हो गईं। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएट और कंप्यूटर साइंस में मास्टर्स हेलन ने मशहूर रोम्बा को को-क्रिएट किया। इसे 2002 में लॉन्च किया गया और यह पहला बेहद सफल कॉमर्शियल घरेलू रोबोट बन गया।

आज रोम्बा हमारे कमरे में बैठा रहता है और काम पर लग जाने के लिए हमारे कमांड का इंतजार करता है। उसने पूरे घर का नक्शा याद कर लिया है- वो 'नो-गो जोन' भी, जहां उसे जाने की अनुमति नहीं है। सामान्य टू-बेडरूम हाउस में वह 45 मिनट से भी कम समय में बिना किसी निगरानी के सिर्फ वॉइस कमांड पर झाड़ू-पोंछा कर सकता है।

महिलाओं से अपेक्षा की जाती रही है कि वे न सिर्फ परिवार के खाने और कपड़ों का काम संभालें, बल्कि घर को साफ रखने समेत कई अन्य कामों में शारीरिक मेहनत भी करें। ऐसे कई काम थे, जो रोज घंटों की मेहनत मांगते थे और घरेलू जीवन को नीरस बना देते थे। इसीलिए कई महिलाएं ऐसे आविष्कारों के लिए प्रेरित हुईं, जो उनका समय बचा सकें।

सबसे ज्यादा कमर तोड़ने वाला काम है बर्तन धोना। हालांकि डिशवॉशिंग मशीनें पहले से मौजूद थीं, लेकिन 1883 में जोसेफिन कोक्रेन के पति की मौत हो गई और वे कर्ज में डूब गईं। पहले से मौजूद डिशवॉशिंग मशीनों में ब्रश और स्क्रबर का इस्तेमाल होता था, जिनसे ठीक सफाई नहीं होती और क्रॉकरी को नुकसान भी पहुंचता था।

यह मशीन भी ठीक उनके सर्वेंट जैसा ही परिणाम देती थी। तब उन्होंने कहा कि 'अगर कोई और डिशवॉशिंग मशीन नहीं बनाएगा, तो मैं खुद बनाऊंगी।' उन्होंने ऐसी मशीन डिजाइन की, जिसमें धातु की रैक में रखे बर्तनों को धोने के लिए मोटर से चलने वाले पहिए और हॉट-वॉटर प्रेशर का उपयोग होता था। दिसंबर 1886 में उन्हें अपने आविष्कार के लिए पेटेंट मिला और यही खोज आधुनिक डिशवॉशर्स के मानक डिजाइन का आधार बनी।

आपको यह जानकर हैरानी होगी कि लगभग हर घर की रसोई का सबसे आम साथी रेफ्रिजरेटर भी महिलाओं की ही देन है। पहले ज्यादातर लोग आइस बॉक्स इस्तेमाल करते थे, जिसमें लगातार पिघला हुआ पानी निकालने की समस्या थी। महिलाओं को खाना खराब होने से बचाने के लिए पकाने और इसे स्टोर करने की योजना बनानी पड़ती थी।

दरअसल, आप और हम जो इलेक्ट्रिक रेफ्रिजरेटर आज इस्तेमाल करते हैं, उसका पेटेंट 1914 में एक महिला स्टेनोग्राफर फ्लोरेंस परपार्ट ने कराया था। ऐसा करने वाली वे पहली महिला नहीं थीं। फ्रेड डब्ल्यू वुल्फ ने 1913 में इलेक्ट्रिक रेविफ्रजरेटर का पेटेंट कराया, जिसमें इलेक्ट्रिक रेविफ्रजरेटर आइस बॉक्स के ऊपर रखा जाता था। लेकिन फ्लोरेंस ने इसे पूरी तरह मैकेनाइज्ड कर फ्रंट ओपनिंग कैबिनेट लगाया, जिससे उनके लिए खाना रखना और निकालना काफी आसान हो गया।

दिलचस्प यह है कि जब महिलाओं को पेटेंट नहीं दिए जाते थे तो पेंसिल्वेनिया के थॉमस मास्टर्स ने कॉर्न प्रोसेसिंग मशीन का पेटेंट कराया, जबकि यह आविष्कार उनकी पत्नी सिबिला मास्टर्स ने किया था। 1715 तक हाथ से मक्का पीस कर आटा बनाना समय लेने वाला और कठिन कार्य था।

इसीलिए सिबिला ऐसी मशीन बनाने के लिए प्रेरित हुईं। ऐसी सैकड़ों चीजें हैं, जिन्हें मैकेनाइज करने में महिलाओं ने योगदान दिया। चाहे वह मार्गरेट ई. नाइट की फ्लैट बॉटम पेपर बैग मशीन हो, सारा बून का बेहतर आयरन बोर्ड हो या मैरियन ओ ब्रायन डोनोवान का वॉटरप्रूफ डायपर कवर।

फंडा यह है कि समस्या का सामने से मुकाबला करें, कौन जाने अगले आविष्कारक आप ही हों।

चुनावी तंत्र में भरोसा कायम रखने की चुनौती

दिनेश भारद्वाज

एसआईआर का तीसरा चरण केवल वोटर लिस्ट सुधार कार्यक्रम नहीं। यह भारत के लोकतंत्र की विश्वसनीयता, चुनाव आयोग की निष्पक्षता और राजनीतिक दलों की परिपक्वता की एक साथ परीक्षा है। यदि यह प्रक्रिया पारदर्शी, संतुलित और निष्पक्ष तरीके से पूरी होती है तो भारतीय लोकतंत्र और मजबूत होकर उभरेगा।

भारत में चुनाव केवल सरकार बदलने की प्रक्रिया नहीं होते, वे लोकतंत्र की सामूहिक वैधता का उत्सव भी होते हैं। लेकिन जब मतदाता सूची ही सवालों के घेरे में आ जाए, तब लोकतंत्र की पूरी संरचना बहस के केंद्र में आ खड़ी होती है। यही वजह है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा शुरू किया जा रहा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का तीसरा चरण केवल एक प्रशासनिक कवायद नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति का संवेदनशील अध्याय बन गया है।

निर्वाचन आयोग ने 16 राज्यों और 3 केंद्रशासित प्रदेशों में एसआईआर लागू करने का कार्यक्रम घोषित किया है। इनमें ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम, मणिपुर, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, हरियाणा, तेलंगाना, पंजाब, कर्नाटक, मेघालय, महाराष्ट्र, झारखंड, दिल्ली, नागालैंड और त्रिपुरा शामिल हैं, जबकि केंद्रशासित प्रदेशों में दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव, तथा चंडीगढ़ को शामिल किया गया है। इनमें से कई राज्यों में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव होने हैं। इसलिए इस प्रक्रिया को केवल 'मतदाता सूची सुधार अभियान' मानकर नहीं देखा जाएगा। इसके राजनीतिक अर्थ, चुनावी प्रभाव व लोकतांत्रिक संकेत दूरगामी होंगे।

चुनाव आयोग का तर्क है कि इस मुहिम का मकसद मतदाता सूची को शुद्ध और पारदर्शी बनाना है। मृत मतदाताओं के नाम हटाने हैं, डुप्लीकेट वोट समाप्त करने हैं, माइग्रेशन के कारण बदले पते अपडेट करने हैं और नए पात्र मतदाता जोड़ने हैं। सिद्धांततः इसमें किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। लेकिन राजनीति केवल सिद्धांतों से नहीं; आशंकाओं व अनुभवों से भी संचालित होती है। ऐसे में एसआईआर तकनीकी प्रक्रिया कम और राजनीतिक बहस अधिक बन चुका है।

बीते कुछ वर्षों में बिहार, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में मतदाता सूची को लेकर विवाद उठते रहे हैं। विपक्षी दल आरोप लगाते रहे कि बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं या फिर चुनावी लाभ के लिए वोटर लिस्ट में 'मैनेजमेंट' किया जा रहा है। हाल में पश्चिम बंगाल के चुनावी नतीजों के बाद यह बहस और तेज हो गई। विपक्ष का आरोप है, चुनावी प्रक्रिया में अपेक्षित पारदर्शिता नहीं।

दूसरी ओर केंद्र सरकार और सत्तारूढ़ दल इन आरोपों को राजनीतिक हार की हताशा बताते हैं। यानी मतदाता सूची अब केवल प्रशासनिक दस्तावेज नहीं रही; राजनीतिक विश्वास और अविश्वास की कसौटी बन चुकी है। यहीं बड़ा सवाल है कि क्या एसआईआर वास्तव में लोकतंत्र को मजबूत करने की निष्पक्ष प्रक्रिया है,या फिर राजनीति के ध्रूवीकरण में यह भी नया सियासी औजार बनता जा रहा है?

सैद्धांतिक रूप से देखें तो एसआईआर की जरूरत है। इस विशाल देश में लगातार माइग्रेशन, शहरीकरण और जनसंख्या गतिशीलता के कारण मतदाता सूची को अद्यतन रखना बेहद कठिन कार्य है। करोड़ों लोग रोजगार, शिक्षा और सामाजिक कारणों से लगातार स्थान बदलते हैं। लाखों लोग मृत्यु के बाद भी वर्षों तक वोटर लिस्ट में बने रहते हैं। डुप्लीकेट वोट भी हैं। यदि निर्वाचन आयोग समय-समय पर व्यापक पुनरीक्षण न करे तो चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता कमजोर पड़ सकती है। लेकिन विपक्ष का आरोप है, सत्यापन प्रक्रिया कई बार चयनात्मक दिखाई देती है।

खासकर गरीब, प्रवासी, किरायेदार और हाशिये पर खड़े वर्गों के मतदाता सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। जिन लोगों के पास स्थायी दस्तावेज नहीं, बार-बार पता बदलता है, या जो प्रशासनिक प्रक्रियाओं तक आसानी से नहीं पहुंच पाते, वे सबसे पहले सूची से बाहर होते हैं।

भारतीय निर्वाचन आयोग दुनिया की सबसे विश्वसनीय चुनावी संस्थाओं में गिना जाता रहा है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसकी निष्पक्षता पर सवाल उठे हैं। ऐसे में एसआईआर उसके लिए भी बड़ी परीक्षा है। ऐसे में निष्पक्ष होने के साथ ही निष्पक्ष दिखना भी जरूरी होगा। यदि लाखों मतदाताओं के नाम कटते हैं तो आयोग को पारदर्शी तरीके से यह बताना होगा कि किन आधारों पर कार्रवाई हुई।

लगभग सभी राजनीतिक दल सिद्धांततः 'शुद्ध मतदाता सूची' के पक्ष में हैं, लेकिन व्यवहार में हर दल की चिंता अपने वोट बैंक को लेकर है। यदि किसी राज्य में बड़ी संख्या में शहरी प्रवासी मतदाता सूची से बाहर होते हैं तो इसका प्रभाव अलग होगा। ग्रामीण इलाकों में नाम कटते हैं तो समीकरण अलग होंगे। यदि नए युवा मतदाता बड़ी संख्या में जुड़ते हैं तो चुनावी रुझान बदल सकते हैं। यानी एसआईआर चुनावी गणित का भी बड़ा कारक है। यही वजह है कि सभी दल बूथ स्तर तक अपने बीएलए सक्रिय कर रहे हैं ताकि उसका समर्थक वोटर सूची में बना रहे और विरोधी पक्ष की संभावित 'गड़बड़ियां' पकड़ी जाएं।

देश में मतदाता सूची भी राजनीतिक युद्ध का मैदान बन चुकी है। बहस का मूल प्रश्न एसआईआर का होना या नहीं होना नहीं, बल्कि यह है कि क्या भारत की चुनावी प्रणाली आम नागरिक में भरोसा पैदा कर पा रही है? जब कोई मतदाता यह महसूस करने लगे कि उसका वोट सुरक्षित नहीं है या चुनावी प्रक्रिया पर राजनीतिक प्रभाव है, तब लोकतंत्र केवल संवैधानिक ढांचा भर रह जाता है। चुनाव आयोग की भूमिका लोकतांत्रिक विश्वास की संरक्षक संस्था की भी है। इसलिए एसआईआर प्रक्रिया संदेहों से ऊपर उठाकर संचालित करना उसकी अहम जिम्मेदारी होगी।

एसआईआर का तीसरा चरण केवल वोटर लिस्ट सुधार कार्यक्रम नहीं। यह भारत के लोकतंत्र की विश्वसनीयता, चुनाव आयोग की निष्पक्षता और राजनीतिक दलों की परिपक्वता की एक साथ परीक्षा है। यदि यह प्रक्रिया पारदर्शी, संतुलित और निष्पक्ष तरीके से पूरी होती है तो भारतीय लोकतंत्र और मजबूत होकर उभरेगा।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रमुख खबरें

लोसपा का दो दिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण कार्यशाला कल से

भिलाई। लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी का दो दिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण कार्यशाला और चिंतन शिविर पार्टी के राष्ट्रीय संरक्षक रघु ठाकुर की विशेष उपस्थिति में दिनांक 23 और 24 मई 26 को ग्राम कुरदा (चांपा) में सम्पन्न होगी। छह सत्रों में आयोजित दो दिवसीय शिविर में लोसपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मदन जैन, राष्ट्रीय महासचिव अरुण प्रताप सिंह, प्रसिद्ध साहित्यकार रामकुमार तिवारी,अशोक पंडा प्रदेशाध्यक्ष, श्याम मनोहर सिंह प्रांतीय महासचिव लोसपा के वरिष्ठ नेता नंदन गुप्ता , राजकुमार अग्रवाल, अरंविद सिंह, कन्हैया लाग गौतम, नित्यानंद प्रधान, आदित्य मिश्र, शिव नेताम, जावेद उस्मानी भी उल्लेखनीय हिस्सेदारी करेंगे। पार्टी कार्यकर्ता कार्यशाला और प्रशिक्षण शिविर आयोजन समिति के प्रमुख और जिला लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष रामसिंह क्षत्री, जिला प्रवक्ता कुशल जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष फेकन सिंह ने सयुक्त बयान में जानकारी देते हुए बताया कि समाजवादी धारा के इस महत्वपूर्ण आयोजन में प्रदेश भर से चुनिंदा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने शिविर में सहभागिता की स्वीकृति आयोजन समिति को मिल चुकी है।

ग्रीष्मकालीन अवकाश हेतु वर्क फ्रॉम होम एवं वाहन पूलिंग व्यवस्था लागू

दुर्ग। भारत के सर्वोच्च न्यायालय एवं छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के निर्देशों के अनुपालन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय दुर्ग में ग्रीष्मकालीन अवकाश अवधि 2026 के दौरान प्रशासनिक कार्यों के सुचारू संचालन एवं ऊर्जा संरक्षण को ध्यान में रखते हुए वर्क फ्रॉम होम तथा वाहन पूलिंग व्यवस्था लागू किए जाने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के निर्देशानुसार मुख्यालय में उपलब्ध वरिष्ठ न्यायाधीश चतुर्थ जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश की अध्यक्षता में समस्त न्यायिक अधिकारियों की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय द्वारा जारी परिपत्रों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में न्यायिक अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को प्रति सप्ताह अधिकतम दो दिवस वर्क फ्रॉम होम की अनुमति प्रदान कर सकते हैं। साथ ही यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि प्रत्येक कार्य दिवस में कार्यालय एवं न्यायालय में न्यूनतम 50 प्रतिशत कर्मचारियों की उपस्थिति अनिवार्य रूप से बनी रहे, जिससे न्यायालयीन कार्य प्रभावित न हो। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्क फ्रॉम होम की अनुमति प्राप्त कर्मचारियों को कार्यालयीन समय में घर से कार्य करने तथा आवश्यकता पड़ने पर तत्काल कार्यालय अथवा न्यायालय में उपस्थित होने हेतु दूरभाष के माध्यम से उपलब्ध रहने के निर्देश भी दिए गए हैं।

युवा किसान प्रसंग की सफलता: औरी गांव में आधुनिक पोल्ट्री फार्म का सफल संचालन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। दुर्ग जिले के औरी गांव में युवा किसान प्रसंग चंद्राकर ने पोल्ट्री व्यवसाय में आधुनिक तकनीक का प्रयोग कर उत्कृष्ठ सफलता हासिल की है।

छत्तीसगढ़ कृषि महाविद्यालय की छात्रा कुसुम श्री रेड्डी (बीएससी कृषि - एग्रीकल्चर जर्नलिज्म एवं बिहेवियरल स्किल) द्वारा मॉड्यूल (प्रैक्टिकल) के दौरान प्रसंग चंद्राकर से मुलाकात की और पोल्ट्री व्यवसाय की सफलता और इसे किस तरह डेवलप किया जाए इसकी जानकारी ली।

युवा किसान प्रसंग ने बताया कि उसने रायपुर से बी.कॉम और पुणे से पोल्ट्री डिप्लोमा करने के बाद वर्ष 2020 से 1 एकड़ भूमि पर ब्रॉयलर फार्मिंग शुरू की। पारिवारिक व्यवसाय से जुड़ाव और बचपन से रुचि होने के कारण उन्होंने इस क्षेत्र में आधुनिक तकनीक अपनाकर अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने अपने फार्म में एनवायरमेंट कंट्रोल हाउस स्थापित किया है, जिससे तापमान और आर्द्रता नियंत्रित कर उत्पादन में बेहतर परिणाम मिलते हैं। दैनिक प्रबंधन में फीड, पानी, तापमान और ह्यूमिडिटी का विशेष ध्यान रखा जाता है, जिसे वे सफलता की कुंजी मानते हैं।

प्रसंग अपने फार्म के लिए मक्का और सोयाबीन आधारित संतुलित फीड स्वयं तैयार करते हैं। वहीं CRD, न्यूकैसल डिजीज और IBD जैसी बीमारियों से बचाव के लिए वे नियमित टीकाकरण और सख्त बायो-सिक्योरिटी अपनाते हैं। पोल्ट्री फार्मिंग में कुल लागत का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा फीड पर खर्च होता है, लेकिन इसके बावजूद यह व्यवसाय हर साल लगभग 10त्न की दर से बढ़ रहा है। वे अपने उत्पादों की बिक्री स्थानीय बाजार के साथ-साथ अन्य राज्यों में भी करते हैं। प्रसंग चंद्राकर का कहना है कि सही प्रबंधन, समय और समर्पण से पोल्ट्री फार्मिंग एक सफल और लाभदायक व्यवसाय बन सकता है।

शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने किया अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य का भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने दीपक नगर दुर्ग स्थित स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। बढ़ती छात्र संख्या एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए विद्यालय में नए कक्षों का निर्माण किया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। यह निर्माण कार्य विद्यालय की वर्तमान एवं भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

विद्यार्थियों को मिलेंगी बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं

स्कूल शिक्षा मंत्री यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण एवं सर्वसुलभ बनाने के लिए निरंतर प्रभावी प्रयास कर रही है। स्वामी आत्मानंद विद्यालय के माध्यम से विद्यार्थियों को अंग्रेजी माध्यम में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक संसाधन एवं बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि वे भविष्य की प्रतिस्पर्धाओं के लिए सक्षम बन सकें। विद्यालयों में अधोसंरचना विकास, आधुनिक शिक्षण सुविधाओं एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। भूमिपूजन कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिक सुरेंद्र कौशिक, जनप्रतिनिधिगण, शिक्षा विभाग के अधिकारी, विद्यालय परिवार एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित थे ।

भिलाई इस्पात संयंत्र में अंतरराष्ट्रीय मानव संसाधन दिवस आयोजित

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र में 20 मई 2026 को अंतरराष्ट्रीय मानव संसाधन दिवस इस्पात भवन स्थित आई.बी. कॉन्फ्रेंस हॉल में मनाया गया। महाप्रबंधक प्रभारी (मानव संसाधन) जे. एन. ठाकुर के मार्गदर्शन में मानव संसाधन विभाग के अधिकारीगण एवं वरिष्ठ सदस्य इस अवसर पर एकत्रित हुए तथा तेजी से परिवर्तित हो रहे कार्य परिवेश में मानव संसाधन की बदलती भूमिका पर विस्तृत चर्चा की।

इस अवसर पर आयोजित संवाद सत्र में समकालीन मानव संसाधन विषयों पर विचार-विमर्श भी किया गया। चर्चा के प्रमुख विषयों में कार्यस्थल की उभरती चुनौतियाँ, मानव संसाधन प्रक्रियाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का बढ़ता उपयोग, डिजिटल परिवर्तन के दौर में मानवीय संवेदनाओं को बनाए रखने की आवश्यकता तथा जटिल एवं गतिशील कार्य वातावरण में प्रभावी मानव प्रबंधन शामिल रहे।

वर्ष 2026 के अंतरराष्ट्रीय मानव संसाधन दिवस की थीम एंपॉवर पिपल टू लीड चेंज रही, जो भविष्य उन्मुख नेतृत्व विकास, मानव-केंद्रित एआई एवं डिजिटल परिवर्तन को प्रोत्साहित करने तथा सतत कौशल उन्नयन एवं निरंतर अधिगम की संस्कृति को सशक्त बनाने में मानव संसाधन की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती है। अपने दीर्घ सेवाकाल के अनुभव को साझा किया। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान प्राप्त चुनौतियों, उनसे मिली सीख तथा युवा मानव संसाधन अधिकारियों के लिए प्रेरणादायी संदेश प्रदान किए। विमर्श के दौरान अनेक रचनात्मक एवं दूरदर्शी सुझाव भी प्राप्त हुए।

महाप्रबंधक प्रभारी जे. एन. ठाकुर ने मानव संसाधन कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने हेतु नॉलेज मैनेजमेंट, संस्थागत उपलब्धियों के प्रभावी प्रस्तुतीकरण तथा स्टोरी टेलिंग की महत्ता पर विशेष बल दिया। एक अभिनव पहल के अंतर्गत प्रत्येक मानव संसाधन अधिकारी को एक विशिष्ट विषय पर आलेख अथवा शोध-पत्र तैयार करने का दायित्व सौंपा गया, जिन्हें संकलित कर सामूहिक ज्ञान दस्तावेज के रूप में प्रकाशित किया जाएगा।

भारतीय ज्ञान परम्परा और मानसिक स्वास्थ्य सहित कई विषयों पर शिक्षकों का प्रशिक्षण 25 से

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद संचालक रायपुर के निर्देशानुसार माध्यमिक विद्यालय के व्याख्याताओं का प्रशिक्षण जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान दुर्ग के प्राचार्य पी सी मरकले के मार्गदर्शन में 25 मई से 13 जून तक बालोद व दुर्ग जिले में चरणबद्ध एवं विषयवार आयोजित किया जा रहा है। जिसमें लगभग 2 हजार शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

इनमें कला संकाय (भूगोल, राजनीति शास्त्र, समाजशास्त्र), वाणिज्य संकाय भाषा समूह के अंतर्गत अंग्रेजी, संस्कृत, हिन्दी और कृषि समूह में कृषि विज्ञान के तत्व, पशुपालन और फसल उत्पादन इत्यादि विषयों का समावेश किया गया है। प्राचार्य मरकले ने बताया कि इस प्रशिक्षण के अन्तर्गत 10 वीं और 12वी के परीक्षा परिणाम को मद्देनजर रखते हुए ब्लू प्रिंट पर आधारित प्रश्न निर्माण एवं प्रश्नों का विश्लेषण करना एवं अंकों का सम विभाजन,एनईपी/एससीएफ पर विस्तृत चर्चा डाइट के विषय विशेषज्ञों डॉ शिशिरकांत भट्टाचार्य, डॉ हेमंत साहू,डॉ नीलम दुबे, डॉ वन्दना सिंह, संध्या शर्मा असिस्टेंट प्रोफेसर के द्वारा विषयानुसार किया जाएगा। प्रशिक्षण के नोडल अधिकारी सत्येंद्र शर्मा ने बताया कि यह प्रशिक्षण व्याख्याताओं/शिक्षकों के लिए कई मायनों मे महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इस प्रशिक्षण में एससीईआरटी एवं डाइट द्वारा प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स, डीआरजी/बीआरजी द्वारा प्रमुख मुद्दों भारतीय ज्ञान परम्परा, मानसिक स्वास्थ्य, आईसीटी एवं एआई, एनपीएसटी विद्यालयी संस्कृति अधिगम वातावरण का निर्माण एवं हॉलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड इत्यादि विषयों पर प्रशिक्षण देंगे। सेजस विद्यालय आमापारा बालोद और दुर्ग जिले में दिनांक 28 मई से 1 जून तक कला संकाय व कामर्स समूह के व्याख्याताओं का प्रशिक्षण कृष्णा पब्लिक स्कूल नेहरू नगर भिलाई में डाइट द्वारा आयोजित किया जाएगा। इसी तरह आगे चरणवार बालोद जिले में 3 जून से 7 जून तक कला संकाय व भाषा समूह और दुर्ग जिले में 9 जून से 13 जून तक भाषा समूह के व्याख्याताओं शिक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे।

जनसमस्या निवारण शिविर हितग्राहियों के लिए सौगात लेकर आई

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। सुशासन तिहार के अंतर्गत जिले के पाटन विकासखण्ड के ग्राम कौही में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में विभिन्न विभागों को 1002 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें 189 आवेदन का मौके पर निराकरण किया गया। इस शिविर में कलस्टर के कौही सहित सिकोला, खम्हरिया (ड), कुर्मीगुण्डरा, बेलौदी, सिपकोन्हा, तेलीगुण्डरा, बोरीद, कुम्हली, सोनपुर, खर्रा, तरीघाट, जरवाय, केसरा, पौहा, बोरेंदा, भनसुली (क), गब्दी और असोगा के लोग शामिल हुए।

जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस शिविर में प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव और कलेक्टर अभिजीत सिंह भी शामिल हुए। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को अपने कर-कमलों से सामग्री एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। शिविर में समाज कल्याण विभाग द्वारा ग्राम भनसुली (केसरा) के खेलूराम को बैशाखी, खाद्य विभाग द्वारा ग्राम कौही के सावित्री बाई, शकुन बाई, भाग्यश्री मारकंडे, मोनिका टिकरिहा, ललिता मारकंडे, कुलेश्वरी, चुम्मन जोशी और रानीबाई, ग्राम बोरेंदा के दुखनी बाई, नीतू यादव, ईश्वरी, लताबाई, सरस्वती, ऐश्वर्या, जितेश्वरी, कंचन देवांगन, गंगा यादव को राशन कार्ड प्रदान किया गया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग 100 दिवस रोजगार कार्य पूर्ण करने पर ग्राम बोरेंदा के चुकेश्वर, नरेश, केंवरा बाई, नीरू, टाकेश, मोहन, चांदनी, ललिता, सोनिया, निशा, अनिता चतुर्वेदी, गौरी चक्रधारी, सरस्वती साहू, अंजली साहू, हेमा बाई साहू, रीतू साहू, गंगा यादव एवं सुनिता बाई, ग्राम कौही के अमृत साहू, कुलेश्वरी साहू, राधिका निषाद, गीता निर्मलकर, डिम्पल देवांगन, मोना साहू, कमलेश पाल और राजकुमार साहू को जॉब कार्ड वितरण किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा छ.ग. महिला कोष योजना अन्तर्गत प्रज्ञा स्व सहायता समूह बोरेंदा और पाश्वी महिला स्व. सहायता समूह असोगा को दो-दो लाख रूपए ऋण राशि का चेक और ईश्वरी साहू को 80 हजार रूपए का चेक प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत ग्राम कौही के अंकालू राम साहू, महादेव निषाद, लखन निर्मलकर, पन्ना लाल निर्मलकर और बसंत निषाद को नवनिर्मित पीएम आवास की चॉबी सौंपी गई। ग्राम डिडगा के सरस्वती स्व सहायता समूह के स्वच्छताग्राही दीदियों का सम्मान किया गया।

इसी प्रकार ग्राम कौही के गीतिका निषाद, लता सोनी, वेजंती निषाद और ग्राम बोरेंदा के गजेन्द्र चक्रधारी व किरण बाई पाण्डे को एसबीएम अंतर्गत शौचालय निर्माण कार्य के लिए सम्मानित किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 10 गर्भवती माताओं की गोदभराई की रस्म अदायगी की गई।

रावघाट रेल परियोजना से बदल रही बस्तर की तस्वीर, बीएसपी बना विकास यात्रा का आधार

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। दशकों तक दुर्गम पहाड़ियों, घने जंगलों और सीमित संसाधनों के कारण विकास की मुख्यधारा से दूर रहा बस्तर आज नई दिशा में आगे बढ़ता दिखाई दे रहा है। इस परिवर्तन के केंद्र में है दल्लीराजहरा-रावघाट रेल परियोजना, जिसे सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने भारतीय रेलवे के साथ मिलकर केवल एक औद्योगिक आवश्यकता के रूप में नहीं, बल्कि क्षेत्रीय विकास के दीर्घकालिक आधार के रूप में आगे बढ़ाया। वर्ष 2008 में इस परियोजना के लिए हुए एमओयू के साथ जिस सफर की शुरुआत हुई थी, वह आज बस्तर के सामाजिक और आर्थिक बदलाव की नई कहानी लिख रहा है।

करीब 95 किलोमीटर लंबी यह रेल परियोजना सामान्य निर्माण कार्य नहीं थी। नक्सल प्रभावित और अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र से गुजरने वाली इस लाइन के निर्माण में सुरक्षा सबसे बड़ी चुनौती रही। रेल लाइन और खनन क्षेत्र की सुरक्षा के लिए वर्ष 2012 में गृह मंत्रालय के समन्वय से दो-दो बटालियन सुरक्षा बलों की तैनाती की गई, जिनमें रेलवे ट्रैक की सुरक्षा के लिए एसएसबी तथा खनन क्षेत्र की सुरक्षा के लिए बीएसएफ की बटालियनें शामिल थीं। गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार दल्लीराजहरा से रावघाट तक के आंतरिक क्षेत्रों में सेल द्वारा 4 अर्ध-स्थायी तथा 21 स्थायी सुरक्षा शिविरों का निर्माण कराया गया, जिस पर सेल द्वारा 180 करोड़ रुपये से अधिक की राशि व्यय की गई। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों, सुरक्षा चुनौतियों और बीच-बीच में हुई घटनाओं के बावजूद परियोजना का कार्य लगातार आगे बढ़ता रहा।

रेलवे निर्माण कार्य भारतीय रेलवे द्वारा सेल के वित्तीय सहयोग से किया जा रहा है, जबकि निर्माण एजेंसी रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) है। रेल लाइन निर्माण की अनुमानित लागत लगभग 1854 करोड़ रुपये है, जिसमें से सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र अब तक लगभग 1720 करोड़ रुपये का भुगतान कर चुका है। इसके अतिरिक्त रेलवे लाइन के विद्युतीकरण कार्य के लिए भी संयंत्र द्वारा लगभग 180 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि व्यय की गई है। वर्ष 2010 में प्रारंभ हुए इस कार्य में अप्रैल 2026 तक रावघाट स्टेशन भवन, यात्री सुविधाओं तथा सिग्नलिंग एवं दूरसंचार कार्य को छोड़कर अधिकांश निर्माण पूरा किया जा चुका है। कमिश्नर ऑफ रेलवे सेफ्टी (सीआरएस) निरीक्षण सहित पूर्ण कमीशनिंग जून 2026 में प्रस्तावित है।

20 मई 2026 को रावघाट रेलखंड पर इंजन की सफल रोलिंग इस परियोजना की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में सामने आई है। इसके साथ ही रावघाट माइंस से सीधे रेल रेक संचालन का मार्ग लगभग प्रशस्त हो गया है और आगामी कुछ सप्ताहों में रावघाट से रेक डिस्पैच प्रारंभ होने की संभावना है। यह उपलब्धि केवल तकनीकी प्रगति नहीं, बल्कि वर्षों के सतत प्रयास, समन्वय और कठिन परिस्थितियों में किए गए कार्य का परिणाम मानी जा रही है।

इस परियोजना का प्रभाव अब केवल औद्योगिक क्षेत्र तक सीमित नहीं रह गया है। वर्ष 2022 में दल्ली राजहरा से तरोकी तक यात्री ट्रेन सेवा शुरू होने के बाद बस्तर अंचल के लोगों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और व्यापार के नए रास्ते खुले हैं। आदिवासी समाज के युवाओं के लिए अब दुर्ग, भिलाई और देश के अन्य बड़े शहरों तक पहुंच पहले की तुलना में अधिक सहज हो गई है। स्थानीय नागरिकों के लिए यह रेल लाइन केवल परिवहन का माध्यम नहीं, बल्कि नई संभावनाओं का द्वार बनती जा रही है। आज भिलाई इस्पात संयंत्र रावघाट स्टेशन को भी भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित कर रहा है। स्टेशन में यात्रियों के लिए तीन प्लेटफॉर्म तथा लौह अयस्क एवं सामग्री परिवहन हेतु एक पृथक गुड्स प्लेटफॉर्म विकसित किया जा रहा है। वर्तमान में लौह अयस्क का परिवहन सड़क मार्ग से अंतागढ़ रेलवे साइडिंग तक तथा वहां से रेल मार्ग द्वारा संयंत्र तक किया जा रहा है।

खास-खबर

झोपड़ी से गुणवत्ता मानक तकः मिनपा ने लिखी बदलाव की नई कहानी

रायपुर। अत्यंत सुदूर, पहुंचविहीन एवं संवेदनशील क्षेत्र सुकमा जिले का मिनपा स्वास्थ्य केंद्र आज सेवा, संघर्ष और समर्पण की प्रेरणादायी मिसाल बन चुका है। जो स्वास्थ्य सेवाएं वर्ष 2022 में सीमित संसाधनों और झोपड़ीनुमा अस्थायी व्यवस्था से प्रारंभ हुई थीं, वही आज राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक मूल्यांकन तक पहुंचकर एक नई उपलब्धि दर्ज कर रही हैं। उस समय क्षेत्र की भौगोलिक कठिनाइयों और विपरीत परिस्थितियों के बीच स्वास्थ्य सेवाओं को गांव तक पहुंचाना बड़ी चुनौती थी। इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने लगातार गांव-गांव पहुंचकर हेल्थ कैंप संचालित किए और उपचार के साथ-साथ जनमानस में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का वातावरण तैयार किया। मितानिन, एएनएम, सीएचओ, सुपरवाइजर, सेक्टर मेडिकल ऑफिसर सहित मैदानी स्वास्थ्य अमले की सतत मेहनत एवं जिला प्रशासन के सहयोग से क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति लोगों का विश्वास मजबूत हुआ।

सुशासन तिहार बना खुशियों का आधार

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आयोजित 'सुशासन तिहार-2026' आम जनता की समस्याओं के त्वरित और संवेदनशील समाधान का एक सशक्त माध्यम बनकर उभर रहा है। सुशासन का असली मतलब तब सार्थक होता है जब जनहितैषी योजनाएं फाइलों से निकलकर सीधे जरूरतमंदों के हाथों तक पहुँचती हैं। शासन की इसी संवेदनशीलता की एक जीवंत झलक दुर्ग जिले के नगर पालिका जामुल (वार्ड क्रमांक 13, मंगल भवन) में आयोजित शिविर में देखने को मिली। दूसरों पर निर्भरता और स्वाभिमान की कशमकश जामुल के वार्ड क्रमांक 16 के निवासी श्री किशन मानिकपुरी लंबे समय से शारीरिक दिव्यांगता के कारण आवागमन की गंभीर समस्या से जूझ रहे थे। सुबह उठने से लेकर दैनिक कार्यों और किसी आकस्मिक परिस्थिति में आने-जाने तक, उन्हें हर छोटी-बड़ी जरूरत के लिए दूसरों का मुंह ताकना पड़ता था। उनका स्वाभिमान इस परावलंबन से रोज कशमकश करता था, लेकिन इस लाचारी से बाहर निकलने का उनके पास कोई साधन नहीं था।

मोरगा में जनसमस्या निवारण शिविर का हुआ आयोजन

रायपुर। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत आज कोरबा जिले के ब्लॉक पोड़ी उपरोड़ा के ग्राम पंचायत मोरगा में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा आमजनों को शासकीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई एवं योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रोत्साहित किया गया। इस दौरान विभागों द्वारा आमजनों को विभागीय योजनाओं से लाभांवित किया गया। जिसमें खाद्य विभाग द्वारा पात्र 6 हितग्राहियों को नवीन राशन कार्ड तथा पंचायत विभाग द्वारा 20 ग्रामीणों को मनरेगा जॉब कार्ड का वितरण किया गया। कृषि विभाग द्वारा 5 किसानों को केसीसी, सहकारी समिति द्वारा 5 हितग्राहियों को योजनांतर्गत चेक वितरण किया गया। साथ ही उद्यान विभाग द्वारा आमजनों को उन्नत किस्म के बीजों का वितरण किया गया। शिविर में ग्रामीणों की मांग एवं शिकायतों से संबंधित कुल 227 आवेदन प्राप्त हुए, 105 आवेदनों का निराकरण मौके पर ही संबंधित विभागों द्वारा किया गया।

विदेशी सैलानियों की पहली पसंद बन रहा छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ की प्रकृति, जनजातीय संस्कृति और आधुनिक पर्यटन सुविधाएं आकर्षित कर रही अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। घने वनों की हरियाली, जलप्रपातों की गूंजती कलकल ध्वनि, समृद्ध जनजातीय संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहरों और प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण छत्तीसगढ़ अब वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर तेजी से अपनी अलग पहचान बना रहा है। कभी देश के भीतर ही सीमित पहचान रखने वाला छत्तीसगढ़ अब विदेशी सैलानियों के लिए भी आकर्षण का नया केन्द्र बनता जा रहा है। वर्ष 2025 में 820 विदेशी पर्यटकों का राज्य आगमन इस बात का संकेत है कि छत्तीसगढ़ की अनछुई प्राकृतिक संपदा, सांस्कृतिक विविधता और शांत वातावरण दुनिया भर के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ रही छत्तीसगढ़ की पहचान

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र की मार्गदर्शक एवं हिवा प्रशिक्षण और परामर्श संस्था की संस्थापक किर्सी ह्यवारिनेन की बस्तर की छह दिवसीय यात्रा ने छत्तीसगढ़ पर्यटन को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाई है। उन्होंने बस्तर की जनजातीय संस्कृति, प्राकृतिक सौंदर्य और स्थानीय समुदायों की जीवनशैली की सराहना करते हुए इसे विश्व के लिए एक अनूठा पर्यटन अनुभव बताया। इस प्रकार की अंतरराष्ट्रीय यात्राएं और सकारात्मक अनुभव आने वाले समय में विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ को वैश्विक पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित करने के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता, जनजातीय संस्कृति, ऐतिहासिक विरासत और आत्मीयता दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित करने की अद्भुत क्षमता रखती है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार पर्यटन स्थलों में आधुनिक सुविधाओं का विस्तार, बेहतर संपर्क मार्ग, सुरक्षित वातावरण, प्रकृति पर्यटन और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में लगातार प्रयास कर रही है। बस्तर, सरगुजा, मैनपाट और जशपुर जैसे क्षेत्रों को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने के लिए विशेष योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है।

श्री अग्रवाल ने कहा कि पर्यटन केवल राज्य की पहचान को ही मजबूत नहीं करता, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित करता है। आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ विदेशी पर्यटकों के लिए भारत का एक नया और आकर्षक पर्यटन केन्द्र बनकर उभरेगा। राज्य सरकार तथा छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा पर्यटन क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। आधुनिक पर्यटन सुविधाओं का विकास, बेहतर सड़क संपर्क, पर्यटक सुरक्षा, डिजिटल प्रचार-प्रसार और पर्यटन अधोसंरचना के विस्तार से छत्तीसगढ़ अब राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय पर्यटन जगत में भी अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रहा है। बस्तर क्षेत्र में शांति और विकास का नया वातावरण पर्यटन के लिए बेहद सकारात्मक साबित हो रहा है। नक्सलमुक्त छत्तीसगढ़ की घोषणा, बेहतर सड़क संपर्क और मजबूत सुरक्षा व्यवस्था ने पर्यटकों का विश्वास बढ़ाया है। आज बस्तर में पर्यटक अधिक सुरक्षित और सहज अनुभव कर रहे हैं।

प्रकृति और संस्कृति का अनुपम संगम है छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ को पर्यटकों का स्वर्ग कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। यहां प्रकृति और संस्कृति का ऐसा अद्भुत संगम देखने को मिलता है, जो पर्यटकों को एक अलग ही अनुभव प्रदान करता है। चित्रकोट जलप्रपात की भव्यता, तीरथगढ़ जलप्रपात की प्राकृतिक सुंदरता, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान की जैव विविधता, सिरपुर और रतनपुर जैसे ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों की विरासत, बस्तर की जनजातीय परंपराएँ, लोकनृत्य तथा सरगुजा और जशपुर की शांत वादियाँ विदेशी पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित कर रही हैं। छत्तीसगढ़ विश्व पर्यटन जगत में एक अनूठा गंतव्य बनकर उभर रहा है।

बस्तर बन रहा अंतरराष्ट्रीय पर्यटन का नया आकर्षण केन्द्र

बस्तर क्षेत्र विदेशी सैलानियों के लिए अत्यंत संभावनाशील पर्यटन गंतव्य के रूप में तेजी से उभर रहा है। यहां के घने वन, प्राकृतिक जलप्रपात, जनजातीय संस्कृति, हस्तशिल्प और विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा विदेशी पर्यटकों को अनूठा सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करते हैं। राज्य सरकार द्वारा चित्रकोट जलप्रपात के समीप तीर्था गांव में प्रीमियम लक्जरी टेंट सिटी विकसित करने की योजना बनाई जा रही है। साथ ही चित्रकोट स्वदेशी प्रकृति विश्राम केन्द्र परियोजना के माध्यम से चित्रकोट को वैश्विक स्तर के प्रकृति और संस्कृति पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

गांव-गांव पहुंच रही शासन की योजनाएं, शिविरों में मिल रहा त्वरित समाधान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्य शासन द्वारा सुशासन को जन-जन तक पहुंचाने तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले में सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत लगातार जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के साथ विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है।

इसी क्रम में बलरामपुर जिला के ग्राम पंचायत चितमा एवं विकासखंड वाड्रफनगर के ग्राम पंचायत लोधी में आयोजित शिविरों में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। शिविरों में लोगों ने अपनी मांगों, समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए, जिनके निराकरण की प्रक्रिया संबंधित विभागों द्वारा प्रारंभ की गई।

आमजनों की सुविधा के लिए पंजीयन काउंटर स्थापित किए गए थे। शिविरों में स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, राजस्व, कृषि, उद्यान, पशुपालन, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विभाग की मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श एवं दवाइयों का वितरण किया गया। महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देते हुए उन्हें पोषण, टीकाकरण एवं मौसमी बीमारियों से बचाव संबंधी जानकारी भी दी गई।

इस दौरान गर्भवती महिलाओं की गोदभराई एवं शिशुओं का अन्नप्राशन कार्यक्रम संपन्न कराया गया। वहीं विभिन्न विद्यालयों के मेधावी छात्रों का सम्मान कर उन्हें प्रोत्साहित किया गया। शिविरों में राशन कार्ड सहित विभिन्न हितग्राही सामग्रियों का वितरण भी किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पूरक पोषण आहार, बच्चों के सर्वांगीण विकास तथा बाल विवाह रोकथाम के संबंध में जागरूकता दी गई। वहीं वन विभाग, श्रम विभाग एवं अन्य विभागों द्वारा भी अपनी योजनाओं की जानकारी साझा की गई।

जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने ग्रामीणों से शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने तथा अपनी समस्याओं के समाधान के लिए शिविरों में सक्रिय सहभागिता करने की अपील की। 21 मई को सूरजपुर जिला के विकासखंड राजपुर के ग्राम पंचायत अलखडीहा तथा विकासखंड शंकरगढ़ के ग्राम पंचायत चिरई में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में आसपास के अनेक गांवों के ग्रामीण शामिल होकर अपनी समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे तथा विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी एवं लाभ प्राप्त कर सकेंगे। प्रशासन ने नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर शिविरों का लाभ लेने का आग्रह किया है।

वेटलैंड संरक्षण को मिलेगा नया बल

छत्तीसगढ़ स्टेट वेटलैंड ऑथोरिटी और विश्वविद्यालय के बीच हुआ एमओयू

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में वेटलैंड संरक्षण और पर्यावरण संतुलन को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। कल 19 मई को छत्तीसगढ़ स्टेट वेटलैंड ऑथोरिटी और महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, दुर्ग के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते पर विश्वविद्यालय के कुलपति रवि रत्न सक्सेना और छत्तीसगढ़ स्टेट वेटलैंड ऑथोरिटी के सदस्य सचिव मातेश्वरन व्ही. ने हस्ताक्षर किए।

यह समझौता राज्य में वेटलैंड संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है। इसके तहत दोनों संस्थाएं मिलकर अनुसंधान, तकनीकी प्रशिक्षण, जागरूकता कार्यक्रम, फील्ड अध्ययन और वेटलैंड आधारित विकास गतिविधियों पर काम करेंगी। इस पहल से राज्य के विभिन्न वेटलैंड क्षेत्रों में वैज्ञानिक अध्ययन, जल संरक्षण और जैव विविधता संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही स्थानीय समुदायों की भागीदारी से पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विकास कार्यों को भी गति मिलेगी।

समझौते के माध्यम से विद्यार्थियों और शोधार्थियों को वेटलैंड प्रबंधन, संरक्षण तकनीकों और पर्यावरणीय अनुसंधान के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा। इससे युवाओं को पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में नई जानकारी और प्रशिक्षण मिल सकेगा। छत्तीसगढ़ स्टेट वेटलैंड ऑथोरिटी के सदस्य सचिव मातेश्वरन व्ही. ने कहा कि विश्वविद्यालय के साथ यह साझेदारी वेटलैंड संरक्षण के क्षेत्र में लंबे समय तक सकारात्मक परिणाम देगी।

उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक संस्थानों और शोधार्थियों के सहयोग से वेटलैंड क्षेत्रों के संरक्षण और बेहतर प्रबंधन में महत्वपूर्ण मदद मिलेगी। भारत में वेटलैंड (आर्द्रभूमि) संरक्षण को एक मजबूत आधार मिल रहा है।

नारायणपुर के 262 आदिवासी गांवों में पहुंचेगा विकास

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के अंदरूनी और दूरस्थ अंचलों में बसे जनजातीय परिवारों के सशक्तिकरण और समग्र विकास के लिए नारायणपुर जिले में सबसे दूर, सबसे पहले की अनूठी थीम पर जनजाति गरिमा उत्सवश् जन भागीदारी अभियान की शुरुआत हो गई है। जिले के 262 जनजातीय बाहुल्य गाँवों को पूरी तरह संतृप्त करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कलेक्टर ने अधिकारियों को मिशन मोड में काम करने के कड़े निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि इस अभियान का मुख्य ध्येय शासन की हर एक कल्याणकारी योजना का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना है। इसके लिए ज़िला प्रशासन और नोडल अधिकारियों की टीम सीधे जमीनी स्तर पर मोर्चा संभालेगी।

इस अभियान के तहत जिले के दुर्गम और दूरस्थ क्षेत्रों में विकास की रफ्तार तेज करने के लिए त्रिस्तरीय रणनीति तैयार की गई है। जिले के सभी 262 जनजातीय बाहुल्य गाँवों में विशेष जन भागीदारी शिविर लगाए जाएंगे। इसके अंतर्गत 255 गाँवों को कवर किया जाएगा, जहाँ श्आदि सेवा केंद्रोंश् के माध्यम से जनसुनवाई होगी और ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही त्वरित निराकरण किया जाएगा। विशेष रूप से पिछड़ी जनजातियों के विकास के लिए 204 गाँवों में पात्र हितग्राहियों को चिह्नित कर सीधे शासकीय योजनाओं से जोड़ा जाएगा। 18 मई से 25 मई 2026 तक चलने वाले इस विशेष अभियान के दौरान गाँवों में ही एकीकृत शिविरों का आयोजन हो रहा है। इन शिविरों के माध्यम से दूरस्थ अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करने के लिए विशेष मेडिकल कैंप,पात्रता के अनुसार ऑन-द-स्पॉट जनकल्याणकारी योजनाओं के फॉर्म भरना और मौके पर ही लाभान्वित करना तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी एक ही स्थान पर मौजूद रहकर ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करेंगे।

बस्तर में सुरक्षा व्यवस्था को मिली तकनीकी मजबूती

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। विधायक किरण सिंह देव और आईजी सुंदरराज पी ने बस्तर जिले के लिए ग्यारह 'अत्याधुनिक डायल 112' और फॉरेंसिक मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर कर रवाना किया।

लालबाग मैदान में आयोजित कार्यक्रम में विधायक देव, महापौर संजय पांडे, नगर निगम के सभापति खेम सिंह देवांगन, आईजी सुंदरराज पी, कलेक्टर आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा सहित पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी सहित जवान उपस्थित रहे। विधायक किरण सिंह देव ने डायल 112 के मोबाइल वैन का विधिवत पूजा-अर्चना कर वैन में लगे आधुनिक संसाधनों के बारे जानकारी ली।

ज्ञात हो कि 18 मई को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने राजधानी रायपुर में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में छत्तीसगढ़ की 'अत्याधुनिक डायल 112' आपातकालीन सेवा तथा आधुनिक फॉरेंसिक मोबाइल वैन के बेड़े को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राज्य की आपातकालीन सहायता प्रणाली का विस्तार करना और नए आपराधिक कानूनों के तहत वैज्ञानिक अनुसंधान क्षमता को मजबूत करना है। प्रदेश में वर्ष 2018 से संचालित डायल 112 आपात सेवा का दायरा बढ़ाते हुए इसे अब राज्य के सभी 33 जिलों में पूरी तरह लागू कर दिया गया है, जो पहले केवल 16 जिलों तक सीमित थी। इस नए और उन्नत चरण के तहत संपूर्ण व्यवस्था को तकनीकी रूप से अधिक सक्षम और त्वरित बनाया गया है।

सुरक्षा मानकों और सहायता क्षमता को मजबूत करने के लिए डायल 112 सेवा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित स्थान पहचान तकनीक को जोड़ा गया है, जिससे संकट में फंसे व्यक्ति की वास्तविक भौगोलिक स्थिति का सटीक पता लगाया जा सकेगा। इसके साथ ही आपातकालीन कॉल और आंकड़ों का संचालन बिना किसी बाधा के जारी रखने के लिए सिविल लाइंस स्थित प्राथमिक नियंत्रण केंद्र के अतिरिक्त नया रायपुर स्थित पुलिस मुख्यालय में वैकल्पिक बैकअप प्रणाली पर आधारित दूसरा नियंत्रण केंद्र भी सक्रिय किया गया है।

सरकार गांव, गरीब और किसानों के कल्याण के लिए समर्पित-मंत्री टंक राम वर्मा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा आम जनता की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी निराकरण के लिए चलाए जा रहे 'सुशासन तिहार-2026' के अंतर्गत आज धमतरी जिले में विकासखंड स्तरीय समाधान शिविरों का भव्य आयोजन किया गया। इस महाअभियान के तहत कुरूद विकासखंड के ग्राम चोरभट्ठी में नौवां और धमतरी विकासखंड के ग्राम पीपरछेड़ी में दसवां समाधान शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। ग्राम पीपरछेड़ी में आयोजित विशाल क्लस्टर शिविर में प्रदेश के राजस्व, आपदा प्रबंधन मंत्री श्री टंक राम वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

शिविर को संबोधित करते हुए मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार पूरी तरह से गांव, गरीब और किसानों के कल्याण के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ

समाज के अंतिम व्यक्ति तक पूरी पारदर्शिता के साथ पहुंचे। सरकार की प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हुए उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री की प्रथम कैबिनेट बैठक में ही 18 लाख गरीब परिवारों के लिए पक्के मकान स्वीकृत किए गए हैं और आवास प्लस योजना की पात्रता में ढील देकर अधिक से अधिक जरूरतमंदों को लाभान्वित किया जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी, समय पर बोनस वितरण, महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को मिल रहे आर्थिक संबल और रामलला दर्शन व मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना जैसी महत्वपूर्ण उपलब्धियों का जिक्र करते हुए ग्रामीणों से इन योजनाओं का खुलकर लाभ उठाने की अपील की।

पीपरछेड़ी क्लस्टर के अंतर्गत आने वाली पीपरछेड़ी, डाही, अंगारा, हंकारा, सेमरा डी, सेंचुवा, बिजनापुरी, बोड़रा, पुरी, धौराभाठा, लिमतरा, गागरा, सांकरा, सम्बलपुर, सेहराडबरी, भोथली, कंडेल, नवागांव, बिरेतरा, छाती और शंकरदाह सहित कुल 22 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने इस शिविर में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

शिविर के दौरान ग्रामीणों ने अपनी विभिन्न समस्याओं, मांगों और शिकायतों से जुड़े कुल 3,021 आवेदन प्रस्तुत किए, जिनमें से 164 संवेदनशील मामलों का विभागीय अधिकारियों द्वारा मौके पर ही त्वरित निराकरण कर आम जनता को बड़ी राहत दी गई। शेष आवेदनों को भी समय-सीमा के भीतर निराकृत करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने प्रशासनिक तैयारियों की जानकारी देते हुए बताया कि जिले में कुल 40 समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें अब तक 10 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं और इन शिविरों के माध्यम से शासन की लगभग 120 प्रकार की आवश्यक सेवाएं सीधे ग्रामीणों के घर-द्वार तक पहुंचाई जा रही हैं।

इस आयोजन के दौरान विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से हितग्राहियों को सीधे लाभान्वित भी किया गया।

मंच से अतिथियों द्वारा किसानों को किसान किताबें और कृषि स्प्रे यंत्र सौंपे गए, वहीं मत्स्य विभाग की ओर से मछुआरों को आईसबॉक्स व मछली जाल प्रदान किए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सुपोषण किट, बैंक पासबुक और किशोरी बालिकाओं को स्वच्छता किट बांटी गई। इसी तरह श्रम विभाग द्वारा सहायता राशि, स्वास्थ्य विभाग द्वारा बीपी मशीनें, समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल व वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरण और जनपद पंचायत द्वारा सात नवीन राशन कार्डों का वितरण किया गया। पात्र परिवारों को उनके नए पक्के मकान की चाबियां सौंपकर गृह प्रवेश भी कराया गया, जिससे ग्रामीणों के चेहरे खिल उठे। जनप्रतिनिधियों ने भी जनता को जागरूक करते हुए शासन की इस अनूठी पहल की सराहना की और विकास की मुख्यधारा से जुड़ने का आह्वान किया।

'मीतू पंजाबी' बनकर छाईं आकांक्षा पुरी, इंस्पेक्टर अविनाश 2 में रोल को लेकर किया रिएक्ट

सस्पेंस, एक्शन और इमोशन से भरी कहानियां दर्शकों को तेजी से अपनी तरफ खींच रही हैं। ऐसे में एक्ट्रेस अकांक्षा पुरी भी अपने नए किरदार को लेकर लोगों के बीच चर्चा में बनी हुई हैं। उन्होंने हाल ही में अपने रोल, शूटिंग और रणदीप हुड्डा के साथ काम करने का अनुभव शेयर किया।

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इन दिनों क्राइम और एक्शन से भरपूर वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश 2 चर्चा में बनी हुई है। इस सीरीज में एक्ट्रेस अकांक्षा पुरी मीतू पंजाबी नाम की एक ऐसी महिला का किरदार निभा रही हैं, जो पहले डांसर होती है और बाद में पुलिस की मुखबिर बन जाती है।

उनके एक्टिंग की सोशल मीडिया पर जमकर तारीवफ हो रही है। इस बीच आकांक्षा ने अपने किरदार, एक्टिंग अनुभव और रणदीप हुड्डा के साथ काम करने को लेकर खुलकर बात की।

अकांक्षा पुरी ने कहा, मैं लंबे समय से कुछ अलग और चुनौतीपूर्ण करना चाहती थी। मीतू पंजाबी का किरदार निडर, मजबूत और भावनात्मक रूप से काफी गहरा है। इस किरदार ने मुझे अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलने का मौका दिया। एक कलाकार के तौर पर मैंने अपने अंदर के मजबूत पहलू को इस किरदार के जरिए महसूस किया।

आकांक्षा ने कहा, मीतू पंजाबी मेरे अंदर कई तरह की इमोशन लेकर आई। इस भूमिका को निभाने के लिए मुझे किरदार की भावनाओं को गहराई से समझना पड़ा। इस किरदार ने मुझे खुद का नया रूप खोजने का मौका दिया।

अकांक्षा पुरी ने अपने सह-कलाकार रणदीप हुड्डा की भी जमकर तारीफ की उन्होंने कहा, रणदीप हर सीन में पूरी सच्चाई और ईमानदारी के साथ एक्टिंग करते हैं। उनके साथ काम करते समय खुद भी ज्यादा ध्यान और मेहनत के साथ प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है। वे अपने हर सीन में पूरी सच्चाई लेकर आते हैं। उनके साथ काम करना बेहद खास अनुभव रहा, क्योंकि उनके साथ अभिनय करते हुए आप खुद भी अपने काम में और ज्यादा डूब जाते हैं।

सीरीज के डायरेक्टर नीरज पाठक ने भी रणदीप हुड्डा की तारीफ की। उन्होंने कहा, रणदीप की मेहनत और काम के प्रति समर्पण देखकर अब मुझे दूसरे कलाकारों से भी वैसी ही उम्मीद होने लगी है।

नीरज पाठक ने बातचीत के दौरान दिवंगत अभिनेता इरफान खान को भी याद किया। उन्होंने कहा, मेरा इरफान खान के साथ बहुत पुराना रिश्ता रहा है। मैंने उनके साथ दूरदर्शन के एक पुराने शो में काम किया था। उस दौरान मैंने उनसे वादा किया था कि जब भी मैं फिल्म बनाऊंगा, उन्हें जरूर उसमें लूंगा।

नीरज पाठक ने फिल्म राइट या रॉन्ग बनाई थी, जिसमें सनी देओल और इरफान खान दोनों नजर आए थे।

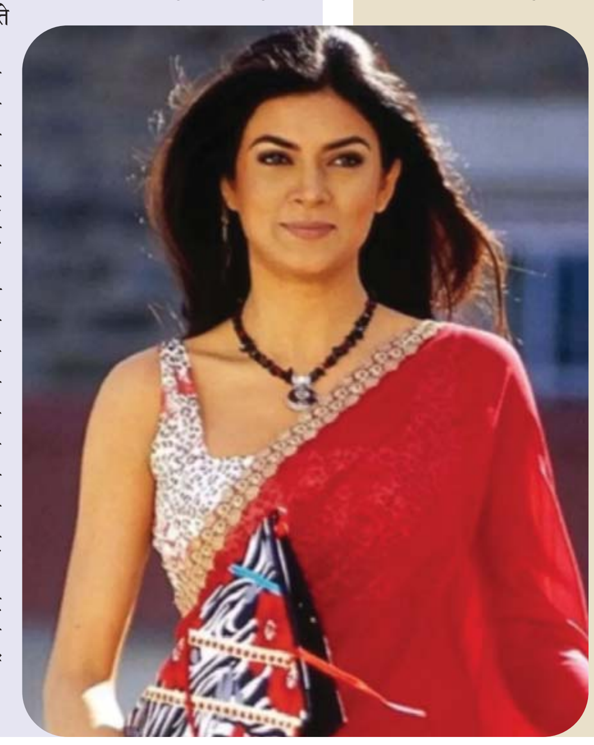

सुष्मिता सेन ने मनाया मिस यूनिवर्स जीत के 32 साल का जश्न

लिखा- 'यह सोचकर मेरे रोंगटे खड़े हो...'

अभिनेत्री सुष्मिता सेन ने मिस यूनिवर्स का खिताब जीतने के 32 साल पूरे होने पर अपनी खुशी जाहिर की है। उन्होंने बताया कि आज भी उन्हें वह पल याद करके कैसा महसूस होता है।

सुष्मिता सेन ने 32 साल पहले मिस यूनिवर्स का खिताब जीता था। उसी खास पल को उन्होंने याद करते हुए एक पोस्ट सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है। साल 1994 में सिर्फ 18 साल की उम्र में सुष्मिता ने यह इतिहास रचा था। वह मिस यूनिवर्स का ताज पहनने वाली पहली भारतीय महिला बनी थीं। सुष्मिता के इस पोस्ट पर कई सेलेब्स ने अपना रिएक्शन दिया है।

सुष्मिता सेन का पोस्ट

सुष्मिता सेन ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक खास तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में सुष्मिता फ्लाइट में बैठी मुस्कुराती नजर आ रही हैं। सुष्मिता ने इस खास तस्वीर के साथ पुरानी यादों को शेयर करते हुए लिखा, 'मैं इस बात के लिए बहुत आभारी हूं कि पिछले 32 साल से मेरे चेहरे पर यह मुस्कान बनी हुई है।'

सुष्मिता ने आगे लिखा, 'मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हूं। फिलीपींस में बिताया वह समय मुझे हमेशा याद रहेगा। आप सभी को मेरा बहुत प्यार।'

ऐतिहासिक जीत

1994 की मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में सुष्मिता सेन ने दुनिया भर की 76 सुंदरियों को पीछे छोड़कर यह खिताब जीता था। हर राउंड में उनका प्रदर्शन सबसे बेहतरीन रहा था, जिसके दम पर उन्होंने भारत का नाम पूरी दुनिया में रोशन किया।

सुष्मिता सेन का वर्कफ्रंट

सुष्मिता ने हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर 'आर्या' और 'ताली' जैसी सुपरहिट वेब सीरीज के जरिए शानदार वापसी की है। 'आर्या' में बेहतरीन एक्टिंग के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिल चुका है। फिलहाल, उन्होंने अपने किसी नए प्रोजेक्ट की घोषणा नहीं की है।

गर्मियों के लिए परफेक्ट हैं ये 5 फेस मिस्ट, जानिए बनाने का तरीका

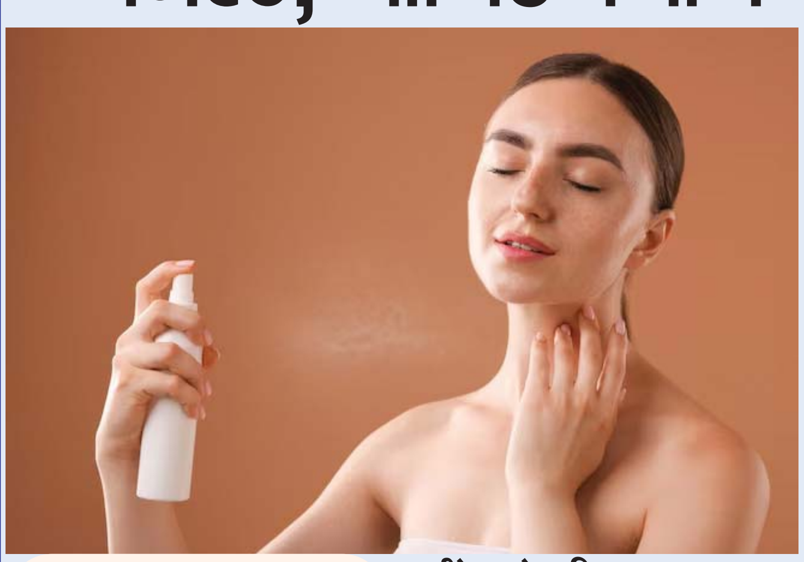

गर्मी के कारण त्वचा पर काफी असर पड़ता है। ऐसे में त्वचा को ठंडक देने के लिए आप बाजार से फेस मिस्ट खरीद सकते हैं, लेकिन उनमें मौजूद अप्राकृतिक रंग और खुशबू त्वचा को नुकसान भी पहुंचा सकती है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे फेस मिस्ट बनाने का तरीका बताते हैं, जिन्हें आप घर पर कुछ ही मिनटों में बनाकर इस्तेमाल कर सकते हैं और उनसे आपकी त्वचा को ठंडक और नमी मिलेगी।

खीरे का फेस मिस्ट

खीरे का फेस मिस्ट बनाने के लिए सबसे पहले एक मिक्सर में खीरे को अच्छे से पीसें, फिर इस मिश्रण को एक स्प्रे बोतल में डालकर फ्रिज में रख दें। जब भी आपको लगे कि गर्मी से आपकी त्वचा काफी बेजान हो गई है, तो उस पर खीरे के फेस मिस्ट का छिड़काव करें। यह फेस मिस्ट त्वचा को पोषण देने के साथ उसे ठंडक भी देगा। खीरे के इस फेस मिस्ट से आपकी त्वचा को ताजगी मिलेगी।

गुलाब जल और नींबू का फेस मिस्ट

गुलाब जल और नींबू का फेस मिस्ट न केवल त्वचा को ताजगी देता है, बल्कि इसे नमी भी देता है। इसे बनाने के लिए एक स्प्रे बोतल में ताजे गुलाब जल के साथ नींबू का रस मिलाएं, फिर इस मिश्रण को अच्छे से हिलाएं और अपने चेहरे पर छिड़कें। यह फेस मिस्ट त्वचा को ठंडक देने के साथ इसे ताजगी भरा भी महसूस कराएगा। गुलाब जल और नींबू का यह मिस्ट आपकी त्वचा को तरोताजा बनाए रखेगा।

एलोवेरा और खीरे का फेस मिस्ट

एलोवेरा और खीरे का फेस मिस्ट आपकी त्वचा को ठंडक देने के साथ-साथ उसे नमी भी देता है। इसके लिए एक स्प्रे बोतल में ताजे एलोवेरा जेल के साथ खीरे का रस मिलाएं, फिर इस मिश्रण को अच्छे से हिलाएं और अपने चेहरे पर छिड़कें। यह फेस मिस्ट त्वचा को पोषण देने के साथ इसे ताजगी भरा भी महसूस कराएगा। एलोवेरा और खीरे का यह मिस्ट आपकी त्वचा को नमी देगा।

पुदीना और नारियल पानी का फेस मिस्ट

पुदीना और नारियल पानी का फेस मिस्ट गर्मियों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है क्योंकि इसमें मौजूद पुदीने की ताजगी और नारियल पानी की ठंडक आपकी त्वचा को तरोताजा रखती है। इसे बनाने के लिए एक स्प्रे बोतल में ताजे पुदीने के पत्ते डालें, फिर उसमें नारियल पानी डालकर अच्छे से हिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने चेहरे पर छिड़कें। यह फेस मिस्ट आपकी त्वचा को ठंडक देने के साथ-साथ उसे नमी भी देगा।

गुड़हल फूल का फेस मिस्ट

गुड़हल फूल का फेस मिस्ट आपकी त्वचा को निखारने में मदद कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले गुड़हल फूल की पंखुड़ियों को पानी में उबालें, फिर इस मिश्रण को छानकर ठंडा होने दें। ठंडा होने के बाद इसे एक स्प्रे बोतल में भर लें। अब इसे अपने चेहरे पर छिड़कें। इन फेस मिस्ट के इस्तेमाल से आप गर्मियों में तरोताजा महसूस करेंगे और आपकी त्वचा भी खिली-खिली रहेगी।

मौनी रॉय ने बैकलेस आउटफिट में लूटी महफिल, 300 घंटे में तैयार हुई ये खूबसूरत ड्रेस

79वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में एक्ट्रेस मौनी रॉय लगातार अपने स्टाइल और ग्लैमरस अंदाज से सुर्खियां बटोर रही हैं। अब एक्ट्रेस का दूसरा लुक सामने आ चुका है, जिसमें वो पहले से भी ज्यादा एलिगेंट और स्टनिंग नजर आ रही हैं। इस बार मौनी रॉय ने ब्लू कलर का बेहद खूबसूरत बैकलेस गाउन पहना। इस ड्रेस को बनाने में करीब 300 घंटे लगे हैं। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं।

टीवी की फेमस एक्ट्रेस मौनी रॉय 79वें कान्स फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर ब्लू कलर का बेहद खूबसूरत बैकलेस गाउन पहनकर उतरीं, जिसकी फिटेड सिल्हूट उनके लुक को बेहद ग्रेसफुल बना रही है। इस आउटफिट के साथ जुड़ा लंबा फ्लोई ट्रेल उनके लुक को रॉयल और स्टाइलिश टच दे रहा है। मौनी ने बताया कि उनकी इस ड्रेस को बनाने में करीब 300 घंटे लगे हैं। मौनी ने अपने बालों को सॉफ्ट वेवी लुक में ओपन रखा है। साइड से पार्टिंग के साथ उनके ब्राउन टोन बाल चेहरे पर काफी नैचुरल और फ्रेश लग रहे हैं। मौनी ने अपने लुक को मिनिमल मेकअप के साथ कंप्लीट किया है।

ड्यूई बेस, सॉफ्ट पिंक ब्लश और न्यूड-पिंक लिप शेड ने उनके चेहरे पर नैचुरल ग्लो दिया। इस लुक में मौनी का एलीगेंट और ग्लैमरस अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है। उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। मौनी की इस ड्रेस को पूजा शाह ने डिजाइन किया है। एक्ट्रेस ने बताया कि उनकी अपकमिंग फिल्म का पोस्टर और टीजर कान्स में लॉन्च हो चुका है, जिसकी तस्वीरें वो जल्द शेयर करेंगी। मौनी का ये रॉयल अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है। उन्होंने एक से बढ़कर एक पोज दिए।

उनकी हर तस्वीर में कॉन्फिडेंस और ग्रेस साफ नजर आ रहा है। बता दें कि मौनी रॉय पिछले लंबे समय से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। वो शादी के चार साल बाद अपने पति सूरज नांबियार से अलग हो गई हैं। हाल ही में दोनों ने अपना सेपरेशन कंफर्म किया है। वर्कफ्रंट की बात करें तो मौनी जल्द ही फिल्म है जवानी तो इश्क होना है में नजर आएंगी। इसके अलावा एक्ट्रेस के पास विश्वंभरा और द वाइव्स जैसी फिल्मों भी हैं।

फिल्म बंदर का ट्रेलर होगा रिलीज? निर्माताओं ने पोस्टर भी किया जारी....

बॉबी देओल को पिछले काफी समय से फिल्मों में सेकंड लीड के तौर पर देखा जा रहा है। अब वह मुख्य अभिनेता बनकर अपनी क्राइम एक्शन-थ्रिलर फिल्म बंदर से पर्दे पर धमाल मचाने आ रहे हैं। फिल्म के निर्देशन की कमान अनुराग कश्यप ने संभाली है। इसका टीजर कुछ दिन पहले ही जारी हुआ था। हालिया पोस्ट में निर्माताओं ने बंदर के ट्रेलर रिलीज को लेकर तारीख का खुलासा कर दिया है। साथ में नया पोस्टर भी जारी किया है।

फिल्म वास्तविक घटना से प्रेरित एक सेलिब्रिटी की कहानी है, जिसपर गंभीर आरोप लगते हैं और इसके कारण उसका कीरियर खत्म होने की कगार पर आ जाता है। पोस्टर में बॉबी के साथ सान्या मल्होत्रा, सपना पब्बी और सबा आजाद की झलक भी दिखाई दी है।

ट्रेलर आज 21 मई को आधिकारिक तौर पर जारी किया जाएगा, जबकि फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इससे पहले, फिल्म का प्रीमियर 2025 में टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था।

अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी बंदर, बॉबी देओल के साथ उनकी पहली कोलैबोरेशन है। फिल्म में सान्या मल्होत्रा, सबा आज़ाद और अन्य कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। पाताल लोक, कोहरा और उड़ता पंजाब जैसी कहानियों के लिए जाने जाने वाले सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी ने इस फिल्म को लिखा है, जो इसे एक इमोशनली इंटेंस और मॉरल रूप से डार्क सिनेमैटिक एक्सपीरियंस बनाती है। यह कहानी फेम, स्कैंडल, डिजायर और पब्लिक डिस्ट्रक्शन की दुनिया के इर्द-गिर्द घूमती है।

वरुण धवन-मृणाल की 'है जवानी तो इश्क होना है' का ट्रेलर लॉन्च इवेंट कैंसिल; टीम ने मांगी माफी

अभिनेता वरुण धवन और मृणाल ठाकुर अभिनीत फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। गुरुवार को इसका ट्रेलर रिलीज होने वाला था। मगर, आखिरी वक्त में अचानक ट्रेलर लॉन्च इवेंट कैंसिल हो गया। इसे लेकर टीम ने बयान जारी किया है।

रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' का ट्रेलर आज गुरुवार 21 मई को रिलीज होने वाला है। ट्रेलर को एक इवेंट में लॉन्च किया जा रहा था। मगर, यह इवेंट कैंसिल हो गया है। मृणाल ठाकुर और वरुण धवन अभिनीत इस फिल्म का ट्रेलर तय समय पर क्यों रिलीज नहीं हो पाया और इवेंट क्यों कैंसिल हुआ? इसे लेकर टीम की तरफ से सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए जानकारी साझा की गई है।

क्यों कैंसिल करना पड़ा इवेंट?

फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' का ट्रेलर लॉन्च इवेंट तकनीकी खामियों के कारण रद्द हुआ है। ऐसा फिल्म की टीम ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कहा है। टिप्स फिल्म्स के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया गया है। इसमें लिखा है, 'महत्वपूर्ण एलान'। आगे लिखा है, 'हमें आपको यह बताते हुए खेद है कि फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' का आज होने वाला ट्रेलर लॉन्च इवेंट कुछ अप्रत्याशित तकनीकी दिक्कतों के कारण कैंसिल कर दिया गया है। इससे हुई किसी भी असुविधा के लिए हम तहे दिल से माफी चाहते हैं'।

टीम ने लिखा- 'उम्मीद है आप समझेंगे'

टीम ने आगे लिखा है, 'आपसे लगातार मिल रहे सहयोग की हम सराहना करते हैं और उम्मीद है कि आप इसे भी समझेंगे। हम जल्द ही आपके साथ ट्रेलर शेयर करने का इंतजार कर रहे हैं'। यह बयान 'है जवानी तो इश्क होना है' की टीम की तरफ से दिया गया है। बता दें कि मृणाल और वरुण धवन के अलावा इस फिल्म में पूजा हेगड़े भी अहम भूमिका निभा रही हैं। फिल्म का निर्देशन डेविड धवन ने किया है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' 05 जून को थिएटर्स में रिलीज होगी। इस फिल्म में वरुण धवन एक बार फिर अपने मजेदार और रोमांटिक अंदाज में नजर आने वाले हैं, जिसे लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं। फिलहाल इस फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट रद्द होने पर नेटिजंस नाराजगी जाहिर कर रहे हैं।

खास खबर

सुशासन तिहार 2026: कुसुमताल शिविर में हितग्राहियों को मिली खुशियों की सौगात

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में आयोजित सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जशपुर जिले में आमजन को शासन की विभिन्न योजनाओं का लगातार लाभ पहुंचाया जा रहा है। इसी क्रम में जशपुर जिले के जनपद पंचायत कांसाबेल अंतर्गत ग्राम पंचायत कुसुमताल में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया गया। शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को उनके पक्के घर के सपने को साकार करने हेतु खुशियों की चाबी प्रदान की गई। वहीं समाज कल्याण विभाग द्वारा पात्र हितग्राहियों को पेंशन प्रमाण पत्र वितरित किए गए। दिव्यांग हितग्राहियों को भी विशेष रूप से लाभान्वित किया गया। शिविर में एक दिव्यांग हितग्राही को सहायक उपकरण के रूप में व्हीलचेयर प्रदान की गई, जिससे उनके दैनिक जीवन की गतिविधियों में सुविधा होगी और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा। योजनाओं का लाभ मिलने से हितग्राहियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। शिविर के दौरान नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत उपस्थित ग्रामीणों को नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई गई। सभी ने नशे से दूर रहने और समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया।

वनांचलों में जनजातीय गरिमा उत्सव और सुशासन तिहार से बदला माहौल

रायपुर। सुकमा जिले के दूरस्थ वनांचलों में इन दिनों 'सुशासन तिहार', 'जनजातीय गरिमा उत्सव' और 'जनभागीदारी अभियान' के माध्यम से विकास और जनसंपर्क का नया माहौल दिखाई दे रहा है। शासन की इस पहल का उद्देश्य जनजातीय समुदायों को शासकीय योजनाओं से जोड़ना और अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। छिंदगढ़, सुकमा और कोंटा विकासखंड के गांवों में आयोजित शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी और सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसी क्रम में कलेक्टर अमित कुमार और जिला पंचायत सीईओ मुकुंद ठाकुर ने छिंदगढ़ विकासखंड के सुर्रेपाल, जांगड़पाल और मुड़वाल गांवों में आयोजित शिविरों का निरीक्षण किया। इस दौरान दोनों अधिकारी औपचारिक मंच के बजाय जमीन पर ग्रामीणों के बीच चौपाल लगाकर बैठे और उनकी समस्याएं तथा मांगें सुनीं। अधिकारियों ने कई समस्याओं के समाधान के लिए मौके पर ही संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए। अधिकारियों को अपने बीच सहज रूप में पाकर ग्रामीणों ने खुशी जताई। अभियान के दौरान अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने गांवों में 'ट्रांसेक्ट वॉक' यानी पैदल भ्रमण भी किया। इस दौरान टीम ने गांवों के रास्तों, संसाधनों और ग्रामीणों की रोजमर्रा की समस्याओं को नजदीक से समझा। ग्रामीणों ने कहा कि अब प्रशासन गांव तक पहुंचकर उनकी समस्याएं सुन रहा है, जिससे शासन के प्रति उनका विश्वास और मजबूत हुआ है। सुशासन शिविरों में ग्रामीणों को डिजिटल सेवाएं, पहचान पत्र और अन्य दस्तावेजों में सुधार जैसी सुविधाएं मौके पर ही उपलब्ध कराई गईं।

सुशासन तिहार जनता की समस्याओं के समाधान का अभियान: मुख्यमंत्री

रामानुजनगर-पटना समाधान शिविर में मुख्यमंत्री ने की महत्वपूर्ण घोषणाएं: पटना में हायर सेकेंडरी स्कूल तथा सूरजपुर पॉलीटेक्निक की बाउंड्रीवाल निर्माण की घोषणा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत सूरजपुर जिले के रामानुजनगर-पटना में आयोजित समाधान शिविर में आमजन से संवाद करते हुए कहा कि सुशासन तिहार जनता की समस्याओं के समाधान का अभियान है, जिसके माध्यम से शासन और प्रशासन स्वयं लोगों के द्वार तक पहुँचकर उनकी शिकायतों, समस्याओं और आवश्यकताओं का निराकरण सुनिश्चित कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना और आम नागरिकों को बेहतर से बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराना है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सरकार का दायित्व है कि वह लोगों के बीच जाकर जमीनी वास्तविकताओं को समझे और यह सुनिश्चित करे कि योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ सही व्यक्ति तक सही समय पर पहुँच रहा है या नहीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुशासन तिहार के अंतर्गत यह उनका 11वाँ जिला प्रवास है और 10 जून तक प्रदेश के सभी 33 जिलों का दौरा करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले में अधिकारियों के साथ योजनाओं के क्रियान्वयन, राजस्व प्रकरणों के निराकरण तथा लंबित मामलों की समीक्षा की जा रही है और ग्राम पंचायत स्तर पर समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि नागरिक सुविधाओं और विकास कार्यों की गुणवत्ता के मामले में किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा औचक निरीक्षण के माध्यम से व्यवस्थाओं की सतत निगरानी की जा रही है। उन्होंने तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों का उल्लेख करते हुए कहा कि पहले ग्रामीण भाई-बहन नंगे पैर जंगलों में तेंदूपत्ता संग्रहण करने जाते थे, जिससे उन्हें चोट लगने का खतरा रहता था, लेकिन चरण पादुका योजना के माध्यम से अब उन्हें राहत और सुरक्षा मिल रही है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सरकार किसानों, महिलाओं, गरीब परिवारों और ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि किसानों को 3716 करोड़ रुपये बोनस वितरित किया गया है, 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है तथा सरकार बनने के बाद 18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने उपस्थित महिलाओं से महतारी वंदन योजना की राशि मिलने की जानकारी भी ली और बताया कि लगभग 70 लाख महिलाएँ इस योजना से लाभान्वित हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामलला दर्शन योजना, मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना और अटल डिजिटल सेवा केंद्रों के माध्यम से नागरिकों तक आवश्यक सुविधाएँ पहुँचाई जा रही हैं, जबकि ई-डिस्ट्रिक्ट प्रणाली के जरिए आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र सहित अनेक सेवाएँ घर बैठे उपलब्ध होंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द ही मुख्यमंत्री हेल्पलाइन शुरू की जाएगी, जहाँ नागरिक टोल-फ्री नंबर के माध्यम से अपनी समस्याएँ दर्ज करा सकेंगे और उनके निराकरण की नियमित मॉनिटरिंग होगी। उन्होंने मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि बिजली बिल समाधान शिविर 31 जून तक आयोजित किए जाएंगे तथा लोगों से इसका लाभ लेने की अपील की। साथ ही प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से जुड़कर ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का आग्रह भी किया। धान बुवाई के मौसम का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने किसानों को आश्वस्त किया कि खाद, बीज, नैनो डीएपी और नैनो यूरिया की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है, ताकि खेती की लागत कम हो और किसानों को समय पर संसाधन मिल सकें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने जिले के विकास के लिए तीन महत्वपूर्ण घोषणाएँ करते हुए रामपुर-रामानुजनगर में मिनी स्टेडियम निर्माण, पटना में हायर सेकेंडरी स्कूल तथा नगर पालिका सूरजपुर पॉलीटेक्निक की बाउंड्रीवाल निर्माण की घोषणा की। उन्होंने कहा कि विकसित और समृद्ध छत्तीसगढ़ का निर्माण राज्य सरकार का संकल्प है और विकास कार्यों की गति को और तेज किया जाएगा। कार्यक्रम के पश्चात मुख्यमंत्री किसान रघुनंदन सिंह के निवास पहुँचे, जहाँ उन्होंने हितग्राहियों के साथ सरई पत्ते से बने दोने-पत्तल में परोसे गए छत्तीसगढ़ी पारंपरिक भोजन का आत्मीयता से स्वाद लिया। मिट्टी के चूल्हे पर बनी कोयलार भाजी, कोचई पत्ते से बना ईढ़र और आम की चटनी जैसे पारंपरिक व्यंजनों के साथ मिट्टी के गिलास में जल ग्रहण कर मुख्यमंत्री ने प्रदेश की संस्कृति, परंपरा और ग्रामीण जीवन से अपने गहरे जुड़ाव का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री साय ने 'कामयाबी वेन' को दिखाई हरी झंडी

दूरस्थ गांवों के विद्यार्थियों तक पहुंचेगी डिजिटल शिक्षा की नई रोशनी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार के अंतर्गत कोरिया जिले के सोनहत विकासखंड के ग्राम कुशहा में आयोजित चौपाल के दौरान नीति आयोग द्वारा वित्तपोषित 'मिशन कामयाबी' के तहत संचालित 'कामयाबी वेन' को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस पहल के माध्यम से दूरस्थ एवं ग्रामीण अंचलों के विद्यार्थियों तक आधुनिक डिजिटल शिक्षा और तकनीकी आधारित सीखने के अवसर पहुंचाए जाएंगे, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता और सीखने के अनुभव में सकारात्मक बदलाव आएगा।

मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर कहा कि प्रदेश सरकार का प्रयास है कि गांवों और दूरस्थ क्षेत्रों के बच्चों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आधुनिक तकनीक का समान अवसर मिले। उन्होंने कहा कि आज का दौर ज्ञान, नवाचार और तकनीक का है, ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को भी डिजिटल संसाधनों और नई शिक्षण पद्धतियों से जोड़ना आवश्यक है, ताकि वे भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार हो सकें।

उल्लेखनीय है कि 'कामयाबी वेन' के माध्यम से विद्यार्थियों को वर्चुअल रियलिटी एवं ऑगमेंटेड रियलिटी तकनीक आधारित शिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। यह वेन विज्ञान, गणित, तकनीकी अवधारणाओं और अन्य विषयों को अधिक रोचक, अनुभवात्मक और व्यवहारिक तरीके से समझाने में सहायक होगी।

इससे विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता, तकनीकी जागरूकता तथा बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों में सुधार आने की संभावना है। मुख्यमंत्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि यह अभिनव पहल दूरस्थ गांवों के विद्यार्थियों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलेगी तथा उन्हें विज्ञान, डिजिटल तकनीक और आधुनिक शिक्षा से सरल एवं प्रभावी ढंग से जोड़ने का माध्यम बनेगी।

इस अवसर पर विधायक भैया लाल राजवाड़े, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, विशेष सचिव रजत बंसल, कलेक्टर रोक्तिमा यादव, पुलिस अधीक्षक रवि कुमार कुर्रे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

सुशासन तिहार में बाल विवाह रोकथाम को लेकर जागरूकता अभियान तेज

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्य शासन के सुशासन तिहार अभियान के तहत बीजापुर जिला में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित जागरूकता शिविर में बाल विवाह रोकथाम को लेकर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। शिविर में नगरवासियों को बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए बाल विवाह निषेध की शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम के दौरान चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 एवं महिला हेल्पलाइन 181 की जानकारी देते हुए जरूरत पड़ने पर इन सेवाओं का उपयोग करने के लिए लोगों को प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने बताया कि बाल विवाह की सूचना मिलने पर तत्काल हेल्पलाइन सेवाओं के माध्यम से सहायता प्राप्त की जा सकती है।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित हस्ताक्षर अभियान में बड़ी संख्या में ग्रामीणजनों एवं नगरवासियों ने भाग लिया। अभियान के माध्यम से बाल विवाह उन्मूलन के लिए सामूहिक सहभागिता और सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर नगर पंचायत भैरमगढ़ के पार्षदगण, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, तहसीलदार, महिला एवं बाल विकास विभाग जिला बीजापुर के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

विकसित खेती की नई उड़ान : बीजापुर में 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' का सफल समापन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 5 मई से 20 मई 2026 तक संचालित विकसित कृषि संकल्प अभियान का बीजापुर जिले में सफल समापन हुआ। अभियान के तहत जिले के विभिन्न विकासखंडों में वैज्ञानिकों और कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को आधुनिक और उन्नत खेती की तकनीकों की जानकारी दी।

यह अभियान इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के विस्तार सेवाएं निदेशालय के निर्देशानुसार कृषि विज्ञान केंद्र बीजापुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख अरुण सकनी के मार्गदर्शन में संचालित किया गया। अभियान के सुचारू संचालन के लिए जिले के सभी विकासखंडों में अलग-अलग वैज्ञानिक दल बनाए गए थे। इन दलों ने प्रतिदिन चयनित गांवों में पहुंचकर किसानों को केंद्र और राज्य सरकार की कृषि योजनाओं तथा खरीफ फसलों की तैयारी से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी।

उसूर विकासखंड में डॉ शमशेर आलम, भैरमगढ़ में डॉ मिथलेश कुमार एवं डॉ राजकमल पटेल, भोपालपटनम में डॉ भूपेंद्र कुमार एवं डॉ दिनेश मारापी तथा बीजापुर विकासखंड में डॉ सुनीता पटेल और अरविन्द आयाम ने किसानों को प्रशिक्षण दिया।

अभियान के दौरान किसानों को बीज उपचार, मृदा परीक्षण, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, जैविक उर्वरकों के उपयोग, ग्रीष्मकालीन जुताई, रोग एवं कीट प्रबंधन, पौध संरक्षण तथा बागवानी फसलों की उन्नत खेती के बारे में जानकारी दी गई।

बिजली की कड़क ने छीने थे पैर, 'सुशासन' ने दी आत्मनिर्भरता की नई उड़ान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जब शासन संवेदनशील हो और नीतियां जन-सरोकार से जुड़ी हों, तो आपदा से हारा इंसान भी दोबारा सम्मान से सिर उठाकर जीने की ताकत पा लेता है। धमतरी जिले के ग्राम पीपरछेड़ी में आयोजित समाधान शिविर इसका जीवंत उदाहरण बना। आकाशीय बिजली की एक गड़गड़ाहट ने ग्राम पीपरछेड़ी निवासी शिवचरण कंवर की जिंदगी को मानो एक पल में थाम दिया था।

वर्ष 2022 में हुई इस दर्दनाक दुर्घटना में शिवचरण ने अपने दोनों पैरों की सक्रियता खो दी। जो हाथ कभी कड़ी मेहनत कर परिवार का भरण-पोषण करते थे, वे अचानक दूसरों के सहारे के मोहताज हो गए। घर की कमजोर आर्थिक स्थिति और शारीरिक असमर्थता ने शिवचरण को गहरे अवसाद में धकेल दिया था।

लेकिन छत्तीसगढ़ शासन के सुशासन तिहार ने उनकी जिंदगी का रुख मोड़ दिया है।

ग्राम पीपरछेड़ी में आयोजित राज्य शासन के श्समाधान शिविरश् में शिवचरण की इस लाचारी को बेहद संवेदनशीलता से सुना गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे प्रदेश के राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने मामले की गंभीरता को देखते हुए शिवचरण को तुरंत मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल प्रदान की। बैटरी चलित इस ट्राईसाइकिल की चाबी जैसे ही शिवचरण के हाथों में आई, उनके चेहरे पर खोया हुआ आत्मविश्वास लौट आया। भावुक होते हुए शिवचरण ने कहा कि आकाशीय बिजली ने मुझसे मेरे पैर छीन लिए थे, मुझे लगता था कि अब मैं जिंदगी भर एक कमरे में कैद रह जाऊंगा। लेकिन आज इस मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल ने मुझे फिर से अपने पैरों पर खड़ा कर दिया है। अब मैं बिना किसी सहारे के अपने काम खुद कर सकूंगा और समाज में आत्मनिर्भर होकर घूम सकूंगा। शिवचरण के परिवार के लिए यह समाधान शिविर केवल एक ट्राईसाइकिल मिलने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि शासन की अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं ने भी उनके घर के चूल्हे को बुझने से बचाया है। शिवचरण के जीवन को सुरक्षित करने के लिए शासन की तीन बड़ी योजनाओं ने सुरक्षा कवच का काम किया है।

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफकॉमर्स के जिला स्तरीय व्यापारी महाअधिवेशन का भव्य शुभारंभ

स्टेट कैपिटल रीजन में राजनांदगांव का शामिल होना बड़ी उपलब्धि

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि स्टेट कैपिटल रीजन में राजनांदगांव जिले को शामिल किया जाना इस क्षेत्र के समेकित और योजनाबद्ध विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है, इससे क्षेत्रीय प्रगति और व्यापार को एक नया आयाम मिलेगा। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने चेम्बर ऑफकॉमर्स की टीम को बधाई देते हुए कहा कि किसी भी देश या राज्य को आगे बढ़ाने में अर्थव्यवस्था और उद्यमिता की सबसे बड़ी भूमिका होती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की अध्यक्षता में आज राजनांदगांव के एक निजी होटल में छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफकॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के जिला स्तरीय व्यापारी महाअधिवेशन का गरिमापूर्ण शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम में प्रदेश के वित्त मंत्री ओपी चौधरी विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने वित्त मंत्री ओपी चौधरी की दृढ़ इच्छाशक्ति और कार्यक्षमता की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में प्रदेश की आर्थिक गतिविधियों को एक नई दिशा मिली है। कार्यक्रम में समाज सेवा और व्यापार के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए नंदलाल राठी, टीकमदास साहू, हीना बेन रायचा, शेखर बोथरा, उन्नति पंजवानी और गुरबचन कौर सावलानी को व्यापारी-उद्यमी सम्मान से नवाजा गया।

भविष्य की तकनीकों और नए अवसरों पर ध्यान दें व्यापारी

वित्त मंत्री ने आर्थिक उदारीकरण और जीएसटी के फायदे को रेखांकित करते हुए कहा कि एक देश-एक कर व्यवस्था से व्यापारिक प्रक्रियाएं अधिक सरल और पारदर्शी हुई हैं। उन्होंने उद्यमियों से शासन की औद्योगिक नीति का लाभ उठाने और भविष्य के उभरते क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हाइड्रोजन एनर्जी, बायोफ्यूल और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में निवेश की भविष्य में व्यापक संभावनाएं हैं। औद्योगिक सब्सिडी के लिए उद्योगों के लंबित लगभग 200 करोड़ रुपये की सब्सिडी के भुगतान हेतु सरकार ने 468 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बजट उपलब्ध कराया है। रोजगार को बढ़ावा देने के लिए राज्य में श्जॉब पार्कश् की शुरुआत की गई है।

लालपुर थाना में आयोजित हुआ समाधान शिविर

उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन निर्माण एवं बैगाकापा में आंगनबाड़ी भवन की मिली स्वीकृति

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप शासकीय योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करने के साथ ही सुशासन को और सशक्त बनाने के उद्देश्य से सुशासन तिहार अंतर्गत समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। शिविरों के माध्यम से लोगों की समस्याओं का त्वरित निराकरण कर उन्हें शासकीय योजनाओं से जोड़ा जा रहा है।

इसी कड़ी में मुंगेली जिले के लोरमी विकासखण्ड के ग्राम लालपुरथाना स्थित शासकीय हाईस्कूल मैदान में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर आमजनों को योजनाओं की जानकारी दी गई। इस दौरान लालपुरथाना क्लस्टर के 29 गॉवों के आमजन शामिल हुए और योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य कुंती जायसवाल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण शामिल हुए। अतिथियों ने स्टॉलों का अवलोकन कर आमजनों को पात्रतानुसार लाभान्वित करने के निर्देश दिए। इस दौरान ग्राम लालपुरथाना में उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन के लिए 28.51 लाख रूपए और बैगाकापा में आंगनबाड़ी भवन निर्माण के लिए 07 लाख रूपए की स्वीकृति प्रदान की गई।

शिविर में 01 दिव्यांग को मोटराइज्ड ट्रायसायकल और 01 दिव्यांग को व्हील चेयर प्रदान किया गया। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजनांतर्गत 40 हितग्राहियों को आवास की चाबी, स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत 37 हितग्राहियों को स्वीकृति आदेश04 को सुपोषण टोकरी, 10 श्रमिकों को पंजीयन प्रमाण पत्र, 05 को मनरेगा जॉब कार्ड, 01 को आईस बॉक्स व 01 को मत्स्य जाल, 02 आयुष्मान व 02 वय वंदना कार्ड, 02 को आभा कार्ड प्रदान कर लाभान्वित किया गया।

खास खबर

बाजार में बेच रहे शराब, 387 लीटर का अवैध जखीरा पकड़ा

जगदलपुर। झारतरई बाजार स्थल से भारी मात्रा में विदेशी शराब जब्त की गई है। आरोपी भकचंद नाग, यादो राम मांझी और लैखन मौर्य को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ लोग बाजार स्थल में अवैध शराब रखकर ग्राहकों का इंतजार कर रहे हैं। सूचना के आधार पर आबकारी उप निरीक्षक अंकित सिंह राठौर के नेतृत्व में टीम गठित कर तत्काल मौके पर दबिश दी गई। छापामार कार्रवाई के दौरान तीन संदिग्धों दो बाइक के साथ बैठे मिले। तलाशी लेने पर एक सफेद-पीले रंग के झोले से 50 और एक लाल प्लास्टिक बोरे से 100 नग शराब की बोतल बरामद हुईं। इसके अलावा बाजार स्थल के सेग्रेशन शेड के पास छिपाकर रखे गए 40 कार्टून भी जब्त किए गए, जिनमें प्रत्येक में 50-50 नग शराब से भरी कांच की बोतलें मिली। कुल 2000 नग गोवा स्प्रिट ऑफ स्मूथनेस ब्रांड की मध्यप्रदेश निर्मित नॉन ड्यूटी पेड विदेशी शराब बरामद की गई।

ओडिशा से लौट रहे बाइक सवार डिवाइडर से टकराए एक की मौत

रायगढ़। रिश्तेदार के साथ ओडिशा से घरघोड़ा लौट रहे बाइक सवार युवक की डिवाइडर से टकराने से मौत हो गई। बाइक पर पीछे बैठा दूसरा युवक इस हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया है। सूचना मिलते ही तमनार पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान घरघोड़ा क्षेत्र के डाकदही गांव निवासी तपवन गुप्ता (42 वर्ष) के रूप में हुई है। तपवन तीन दिन पहले बाइक से ओडिशा के गिरसंघा अपने रिश्तेदार के घर गया था। गुरुवार सुबह करीब 5 बजे वह अपने रिश्तेदार रथ भोई (40 वर्ष) के साथ वापस घरघोड़ा के लिए निकला था। सुबह करीब 6 बजे तमनार क्षेत्र के हुंकराडीपा मार्ग पर रफ्तार तेज होने के कारण उनकी बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइक सहित सड़क पर करीब 50 मीटर तक घिसटते चले गए। सिर पर गंभीर चोट आने के कारण तपवन गुप्ता ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि रथ भोई गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत एम्बुलेंस और पुलिस को हादसे की सूचना दी। घायल रथ भोई को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है।

मामूली विवाद में ईंट और लोहे के कड़े से कत्ल

रायगढ़। रायगढ़ के सीतापुर में मिले ब्लाइंड मर्डर केस का ऐसा खुलासा हुआ जिसने दोस्ती के रिश्ते को ही कटघरे में खड़ा कर दिया। मामला 15 मई 2026 का है, जब सीतापुर स्थित सामुदायिक शौचालय के पास एक युवक की लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई थी। मृतक की पहचान भगवानपुर निवासी तिलक वर्मा, उम्र 21 वर्ष के रूप में हुई। शव के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटों के निशान थे। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि घटना की रात टावर मैदान में तिलक वर्मा और उसके दोस्त अमन बसोड़ के बीच सीमेंट पोल तोड़ने की बात पर विवाद हुआ था। बाद में दोनों के बीच फिर झगड़ा हुआ और रात में शराब की तलाश करते हुए सीतापुर पहुंचे। सामुदायिक भवन के पास बैठने के दौरान पुराना विवाद फिर भड़क गया और गुस्से में आरोपी अमन बसोड़, उम्र 21 वर्ष, निवासी भगवानपुर थाना कोतरारोड़ ने पहले लोहे के कड़े से हमला किया, फिर पास पड़ी ईंट से सिर, गर्दन और शरीर पर ताबड़तोड़ वार कर दोस्त की हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया था। पुलिस ने मुखबिर सूचना पर पुराना बस स्टैंड के पास घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। आरोपी के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल कड़ा और घटना के समय पहने कपड़े जप्त किए गए हैं। फिलहाल आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। बहरहाल, रायगढ़ पुलिस का साफ संदेश है कि हत्या कर भागने वाले अपराधियों के लिए अब कानून से बच निकलना नामुमकिन होता जा रहा है।

गांजा तस्कर रवि साहू की 7.66 करोड़ की संपत्ति सीज, पत्नी-मां-बेटे के नाम खरीदी थी संपत्तियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में नशे के कारोबार के खिलाफचलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। गांजा तस्कर-हिस्ट्रीशीटर रवि साहू की करीब 7 करोड़ 66 लाख रुपए की चल-अचल संपत्तियां सीज कर दी गई हैं।

आरोपी ने पत्नी, मां और बेटे के नाम 16 संपत्तियां खरीदी थी, जिसमें कृषि भूमि, मकान, प्लॉट, भवन और कमर्शियल वाहन शामिल हैं। सक्षम प्राधिकारी मुंबई ने संपत्तियों को फ्रीज करने के आदेश को कन्फर्म कर दिया है।

यह कार्रवाई एनडीपीएस एक्ट के तहत की गई है। वहीं रायपुर पुलिस कमिश्नरेट में एनडीपीएस एक्ट के तहत यह पहली बड़ी वित्तीय कार्रवाई मानी जा रही है।

आरोपी के खिलाफ दर्ज हैं 55 केस

पुलिस के मुताबिक रवि साहू गांधीनगर कालीबाड़ी इलाके का रहने वाला है। 17 किलो 882 ग्राम गांजा तस्करी मामले में विशेष एनडीपीएस कोर्ट उसे पहले ही 10 साल के सश्रम कारावास और 1 लाख रुपए जुर्माने की सजा सुना चुकी है।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार रवि साहू के खिलाफ प्रदेश के अलग-अलग थानों में कुल 55 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह लंबे समय से रायपुर समेत कई जिलों में गांजा तस्करी का नेटवर्क चला रहा था।

पत्नी, मां और बेटे के नाम पर खरीदी संपत्तियां

जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी रवि साहू ने अवैध कमाई से अपनी पत्नी शशि साहू, मां और बेटे के नाम पर करोड़ों रुपए की संपत्तियां खरीदी थीं। इनमें रायपुर और अभनपुर क्षेत्र की कृषि भूमि, मकान, प्लॉट, भवन और कमर्शियल वाहन शामिल हैं।

वित्तीय जांच में इन संपत्तियों का मूल्य आरोपी की वैध आय से कहीं अधिक पाया गया। इसके बाद पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 68F के तहत संपत्तियों को फ्रीज करने का प्रस्ताव SAFEMA कोर्ट मुंबई भेजा था। ऑनलाइन सुनवाई के दौरान आरोपी पक्ष संपत्तियों के संबंध में संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। पुलिस ने कुल 16 संपत्तियों को सीज किया है। अब सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना इन संपत्तियों की खरीद-बिक्री या हस्तांतरण नहीं किया जा सकेगा। डीसीपी सेंट्रल उमेश गुप्ता ने कहा कि नशे के कारोबारियों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

एम्बुलेंस में गांजा सप्लाई का खेल ध्वस्त ओडिशा से नागपुर तक पुलिस ने तोड़ी पूरी चेन

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। महासमुंद पुलिस ने गांजा तस्करों के उस अंतरराज्यीय नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया है जो एम्बुलेंस में गांजा भरकर ओडिशा से महाराष्ट्र तक सप्लाई कर रहा था। पुलिस ने एंड टू एंड कार्रवाई करते हुए गांजा सप्लाई के सोर्स से लेकर डेस्टिनेशन तक जुड़े सभी आरोपियों को पकड़कर तस्करी की पूरी चेन तोड़ दी है।

इस कार्रवाई के बाद गांजा तस्करों में हड़कंप मच गया है। मामला थाना खल्लारी के अपराध क्रमांक 36/2026 का है, जहां 28 मार्च 2026 को एन्टी नारकोटिक टास्क फोर्स और खल्लारी पुलिस ने बोलेरो एम्बुलेंस वाहन क्रमांक 0133 से 20 किलोग्राम अवैध गांजा जप्त किया था, जिसकी कीमत करीब 10 लाख रुपये आंकी गई थी। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने परिवहनकर्ता सलमान खान उम्र 26 वर्ष निवासी मोमिनपुरा नागपुर और शिराज पठान उम्र 39 वर्ष निवासी गांधीबाग नागपुर को गिरफ्तार किया था।

पूछताछ में दोनों ने खुलासा किया कि गांजा ओडिशा से लाकर नागपुर में मोहम्मद कदिर जुम्मन शाह के लिए सप्लाई किया जाना था। इसके बाद पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण और लगातार मॉनिटरिंग करते हुए पहले ओडिशा के संबलपुर से सोर्स पर्सन सुशांता मुखी उम्र 34 वर्ष निवासी जिला बौद्ध ओडिशा को गिरफ्तार किया।

फिर 21 मई 2026 को नागपुर महाराष्ट्र से डेस्टिनेशन प्वाइंट आरोपी मोहम्मद कदिर जुम्मन शाह उम्र 22 वर्ष निवासी मोमिनपुरा बोरियापुरा नागपुर को दबोच लिया। पुलिस ने इस पूरे नेटवर्क में अब तक चार अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में गांजा परिवहन में इस्तेमाल एम्बुलेंस बोलेरो सहित कुल 15 लाख 16 हजार 800 रुपये की सामग्री जप्त की गई है।

महासमुंद पुलिस की इस कार्रवाई को प्रदेश में एंड टू एंड नारकोटिक्स इन्वेस्टिगेशन का बड़ा उदाहरण माना जा रहा है। फ्लिहाल, पुलिस का साफ संदेश है कि नशे के कारोबार की पूरी सप्लाई लाइन अब पुलिस के रडार पर है और तस्करों के लिए कहीं भी बच निकलना आसान नहीं होगा।

वकील को ब्लैकमेल करने वाले गिरफ्तार

एआई से अश्लील वीडियो बनाकर मांगे 50 हजार शिकायत पर नाबालिग समेत 6 आरोपी अरेस्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में एआई का इस्तेमाल कर अश्लील वीडियो बनाकर वकील को ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर 50 हजार रुपए की मांग की थी।

शिकायत के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नाबालिग समेत 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में तामेश्वर सोनवानी, राजकुमार कुर्रे, कोमल यादव, छोटू टंडन और सैय्यद अली शामिल हैं। सिविल लाइन थाना पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

बदनाम करने की धमकी दी

सिविल लाइन पुलिस के मुताबिक, 20 मई 2026 की शाम करीब 5:27 बजे शिकायतकर्ता के मोबाइल पर मिस्ड कॉल आया। कॉल बैक करने पर आरोपी ने वीडियो भेजने की बात कही। इसके बाद दूसरे मोबाइल नंबर से अश्लील वीडियो भेजा गया।

वीडियो देखने के बाद शिकायतकर्ता हैरान रह गया। कुछ देर बाद आरोपियों ने फिर कॉल कर 50 हजार रुपए की मांग की और रकम नहीं देने पर वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल कर बदनाम करने की धमकी दी।

नाबालिग समेत 6 आरोपी गिरफ्तार

पीड़ित वकील ने इसकी शिकायत सिविल लाइन थाना में दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई।

जांच के दौरान पुलिस ने एक नाबालिग समेत 6 आरोपियों को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपियों ने वीडियो भेजकर पैसे मांगने की बात स्वीकार की है। पुलिस सभी आरोपियों के खिलाफ आगे की कार्रवाई कर रही है।

एमबीए में एडमिशन के नाम पर 3 लाख की ठगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में एमबीए में एडमिशन दिलाने के नाम पर 3 लाख रुपए की ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। साइबर ठग ने खुद को प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान का अफसर बताकर फेसबुक में विज्ञापन दिया था। जिसके माध्यम से महिला ने अपने बेटे का दाखिला दिलाने के लिए उससे संपर्क किया। जिसके बाद ऑनलाइन पैसे भी दे दी।

ठगी का मामला सामने आने पर महिला ने सिविल लाइन थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शांति नगर के शिवम रेसिडेंसी निवासी महिला ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। जिसमें बताया गया कि फेसबुक में विज्ञापन दिया गया था, जिसमें प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में एडमिशन दिलाने का दावा किया गया था।

विज्ञापन देखकर महिला ने अपने बेटे के एडमिशन के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क की, तब सामने वाले ठग ने खुद को प्रतिष्ठित

विश्वविद्यालय का अधिकारी बताया। इस दौरान उसने महिला के बेटे का एमबीए में प्रवेश कराने का भरोसा दिलाया।

भरोसे में लेकर किश्तों में ट्रांसफर कराए रुपए

बातचीत के दौरान कथित अफसर ने महिला को पहले भरोसे में लिया। जिसके बाद प्रोसेसिंग फीस, सीट आरक्षण और अन्य शुल्क के नाम पर अलग-अलग किस्तों में 3 लाख रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करा लिए। जिसके बाद एडमिशन के लिए महिला को अपने बेटे को लेकर दिल्ली बुलाया गया।

न तो ऑफिस का ठिकाना, मोबाइल भी बंद मिला

शिकायत में यह भी बताया गया कि आरोपी ने पीड़िता को 11 मई 2026 को दिल्ली बुलाया था, जहां प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने का झांसा दिया गया। लेकिन, जब महिला अपने बेटे को लेकर दिल्ली पहुंचीं तो आरोपी न तो तय स्थान पर मिला और न ही उसने फोन या मैसेज का जवाब दिया।

प्लानिंग के तहत की गई धोखाधड़ी

पीड़िता का आरोप है कि यह पूरी घटना सुनियोजित साइबर ठगी का हिस्सा थी, जिसमें फेसबुक विज्ञापन और डिजिटल माध्यमों का दुरुपयोग कर धोखाधड़ी की गई। इस मामले में 3 लाख रुपए की आर्थिक क्षति के साथ मानसिक तनाव और यात्रा खर्च का भी नुकसान हुआ है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं सहित आईटी एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मुरूम, रेत जैसे खनिज उत्खनन पर बड़ी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक तरफ अवैध खनिज उत्खनन और परिवहन के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जा रही है। वहीं, दूसरी तरफ पड़ोसी जिला जांजगीर-चांपा में बेखौफ उत्खनन चल रहा है। जहां से अवैध रेत का शहर में अवैध परिवहन किया जा रहा है। इधर, प्रशासन ने 2 पोकलेन मशीन, 1 जेसीबी और 20 वाहनों को जब्त किया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सख्त चेतावनी के बाद कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर जिले में खनिज विभाग ने अलग-अलग इलाके में लगातार जांच अभियान चलाया। जिसके तहत अवैध रेत, मुरूम, चूना पत्थर और मिट्टी-ईंट के परिवहन पर सख्ती बढ़ाई गई है।

7 मई से की गई ताबड़तोड़ कार्रवाई

जिले में 7 से 20 मई के बीच खनिज विभाग और केंद्रीय खनिज उड़नदस्ता टीम ने अवैध खनिज उत्खनन-परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 26 वाहन और मशीनें जब्त की हैं।

इनमें 12 हाईवा, 7 ट्रैक्टर, 3 चेन माउंटेन, 2 पोकलेन, 1 जेसीबी और 1 माजदा वाहन शामिल हैं। कार्रवाई के दौरान चार वाहन चालकों के मौके से फरार होने की जानकारी भी सामने आई है।

जांच अभियान चकरभाठा, बोदरी, सकरी, बेलगहना, रतनखंडी, करहीकछार, सलका, पोड़ी, महमंद, लालखदान, मंगला, मस्तूरी, चोरभट्ठी और लखराम इलाके में चलाया गया। इस दौरान अवैध रेत परिवहन के 14, मुरूम के 1, चूना पत्थर के 2 तथा मिट्टी-ईंट के 3 केस दर्ज किए गए। जब्त वाहनों को सकरी, चकरभाठा, कोटा, सरकंडा थाना और लावर चौकी में रखा गया है। सोढ़ाखुर्द और करहीकछार से दो पोकलेन मशीनें भी जब्त की गईं।

नदी में मशीन उतारने पर एफआईआर

18 मई की रात केंद्रीय खनिज उड़नदस्ता और जिला टीम ने पचपेड़ी तहसील के उदईबंद और अमलडीहा गांव में निरीक्षण किया। यहां शिवनाथ नदी में रेत उत्खनन में लगी तीन चेन माउंटेन मशीनों को सील किया गया। माइनिंग एक्ट के तहत नोटिस जारी कर एफआईआर प्रक्रिया शुरू की गई है।

बंधक संपत्ति का दो बार सौदा, करोड़ों की ठगी मामले में कोर्ट के आदेश पर एफआईआर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नेहरू नगर भिलाई की एक संपत्ति की खरीद फरोख्त में करोड़ की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। कुल एक करोड़ 91 में लाख रुपये में खरीदी गई संपत्ति जो कि पहले से बैंक में बंधक थी और उसके बाद भी दूसरे ने सौदा कर दिया। इस मामले में फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल व दोबारा उस पर बैंक लोन लेने जैसी बाते भी सामने आई हैं। पीड़ित परिवार इस मामले को लेकर कोर्ट पहुंचा। कोर्ट के आदेश में कोतवाली पुलिस ने सरिता सिंघल के और रोशन जैन के खिलाफ धारा 61(2), 318, 336, 339, 340, सहपठित 3 (5) के तहत अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रकरण के मुताबिक कुरुद रोड कोहका निवासी पावनी गुप्ता एवं श्वेता गुप्ता ने जुनवानी निवासी सरिता सिंघल, गौरव सिंघल, नीरज सिंघल, सुषमा सिंघल, विनोद सिंघल, रोशन जैन सहित अन्य के विरुद्ध न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी ऐश्वर्या दीवान के ने न्यायालय में परिवाद पेश किया था। परिवादियों द्वारा नौ जुलाई

2024 को इंचे विक्रेता रोशन जैन से नेहरू नगर स्थित जा एक आवासीय भूमि क्रय की गई थी। होंने उक्त संपत्ति में मकान और दुकान दोनों इक शामिल थी। उपरोक्त संपत्ति को विक्रेता रोशन जैन से एक करोड़ 91 लाख रुपये भुगतान कर क्रय किया गया था। विक्रेता रोशन जैन के द्वारा परिवादियों को यह विश्वास दिलाया गया कि उपरोक्त संपत्ति उनके द्वारा सरिता सिंघल से वर्ष 2018 में क्रय किया गया है तथा यह भी जानकारी दी थी कि उपरोक्त संपत्ति किसी भी प्रकार से बैंक में या किसी भी वित्तीय संस्थान में बंधक नहीं है और न ही उस संपत्ति पर कोई ऋण बकाया है।

दो जनवरी 2025 को डीईबीटीएस रिकवरी ट्रिब्यनल जबलपुर द्वारा आदेश पारित किया गया कि परिवादियों द्वारा क्रय की गई उपरोक्त संपत्ति पर अनावेदकगण द्वारा लिया गया 81 लाख 19 हजार 902.17 रुपये का लोन बकाया है, जिसका भुगतान करने में असफल होने के कारण ट्रिब्यूनल के द्वारा उपरोक्त संपत्ति को नीलामी करने का आदेश पारित किया गया है तथा उक्त भवन नीलाम भी कर दिया गया है। परिवाद में यह भी आरोप लगाया गया कि सरिता सिंघल और उनके परिवार के सदस्यों ने यूको बैंक अधिकारियों के साथ मिलकर दस्तावेजों में कूटरचना की और संपत्ति को भारमुक्त दिखाया।

इसी आधार पर पहले रोशन जैन ने संपत्ति खरीदी और बाद में उसी संपत्ति को आवेदकों को बेच दिया गया। परिवाद में यह भी उल्लेख है कि रोशन जैन ने संपत्ति खरीदते समय स्टेट बैंक आफ इंडिया से ऋण लिया था, जबकि आवेदकों ने संपत्ति खरीदने के लिए यस बैंक से लोन लेकर एसबीआइ का बकाया चुकाया। इसके बावजूद बाद में पता चला कि मूल संपत्ति पहले से यूको बैंक के अधीन बंधक थी।

जमीन खरीदने से पहले पूरी तरह जांचे परखें

खरीदार जमीन खरीदने से पहले तहसीलदार या एसडीएम कोर्ट से पता करें कि कोई पुराना विवाद, पारिवारिक बंटवारे का केस या किसी प्रकार का स्टे तो नहीं है। पटवारी से जमीन का नया खसरा, खतौनी और अक्स (नक्शा) प्राप्त करें। इससे जमीन के असली मालिक का नाम, कुल क्षेत्रफल और सह-खातेदारों (हिस्सेदारों) की सटीक जानकारी मिलेगी।

पटवारी से यह तय करें कि जमीन सीलिंग की, सरकारी, आदिवासी, गोचर (चरागाह) या वन विभाग की तो नहीं है, जिसे कानूनी तौर पर खरीदा या बेचा नहीं जा सकता। बंधक की जानकारी राजस्व रिकॉर्ड के कॉलम देखकर पटवारी से यह कन्फर्म करें कि उस जमीन पर कोई कृषि ऋण या बैंक लोन तो नहीं चल रहा है, या उसे कहीं गिरवी तो नहीं रखा गया है।

न्यायालय तहसीलदार भिलाई-3 के न्यायालय मे मामला क्रमांक: 202605101600035

विषयः- अ-6 अ मामले की श्रेणीः- राजस्व
सनः- 2025-2026
चरोदा प.ह.न. 00009 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार - साथी सेन,
अनावेदक पक्षकार - विकास कुसुम महंती,

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक साथी सेन पति मानब सेन निवासी रामनगर नेताजी सुभाष रोड जहाज बिल्डिंग के पास रामनगर भिलाई जो ग्राम चरोदा, प.ह.नं. 09, रा.नि.मं. चरोदा तहसील भिलाई 03 जिला-दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 444/30 रकबा 0-032 हे. भूमि के भूमिस्वामी है किंतु आनलाईन रिकार्ड में भूमिस्वामी के नाम में विक्रेता विकास कुसुम महंती पिता -जनार्दन मंहती का नाम प्रदर्शित हो रहा है उक्त त्रुटि को सुधार करने बावत् आवेदन इस न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था को उजर आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अधिवक्ता/अभिकर्ता के माध्यम से आगामी नियत पेशी दिनांक 11/6/2026 के पूर्व इस कार्यालय के समक्ष प्रस्तुत करना सुनिश्चित करे। नियत अवधि उपरांत प्राप्त आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 21/05/2026 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
भिलाई-3, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

खंभे क्षतिग्रस्त कर तार चुराए, 5 आरोपी पकड़ाए

कोरबा। बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र के सिंघाली में खंभे को क्षतिग्रस्त कर बिजली तार की चोरी के मामले में पुलिस ने कबाड़ दुकान संचालक समेत 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। राज्य बिजली वितरण कंपनी कटघोरा के सहायक अभियंता रंजीत पैकरा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 12-13 मई की दरम्यानी रात सिंघाली में लगे वितरण कंपनी के बिजली सप्लाई खंभे को क्षतिग्रस्त कर लगभग 3100 मीटर तार की चोरी हुई है। पुलिस ने विजय पाल कंवर (30), मोहन लाल रोहिदास (45), शेखर सिंह अगरिया (21) व अनूप कुमार चौहान (32) को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपियों ने चोरी करना स्वीकार किया। चोरी का सामान खरीदी करने पर कबाड़ दुकान संचालक राजीव नगर कटघोरा निवासी मनोज कुमार साहू (33) को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया।

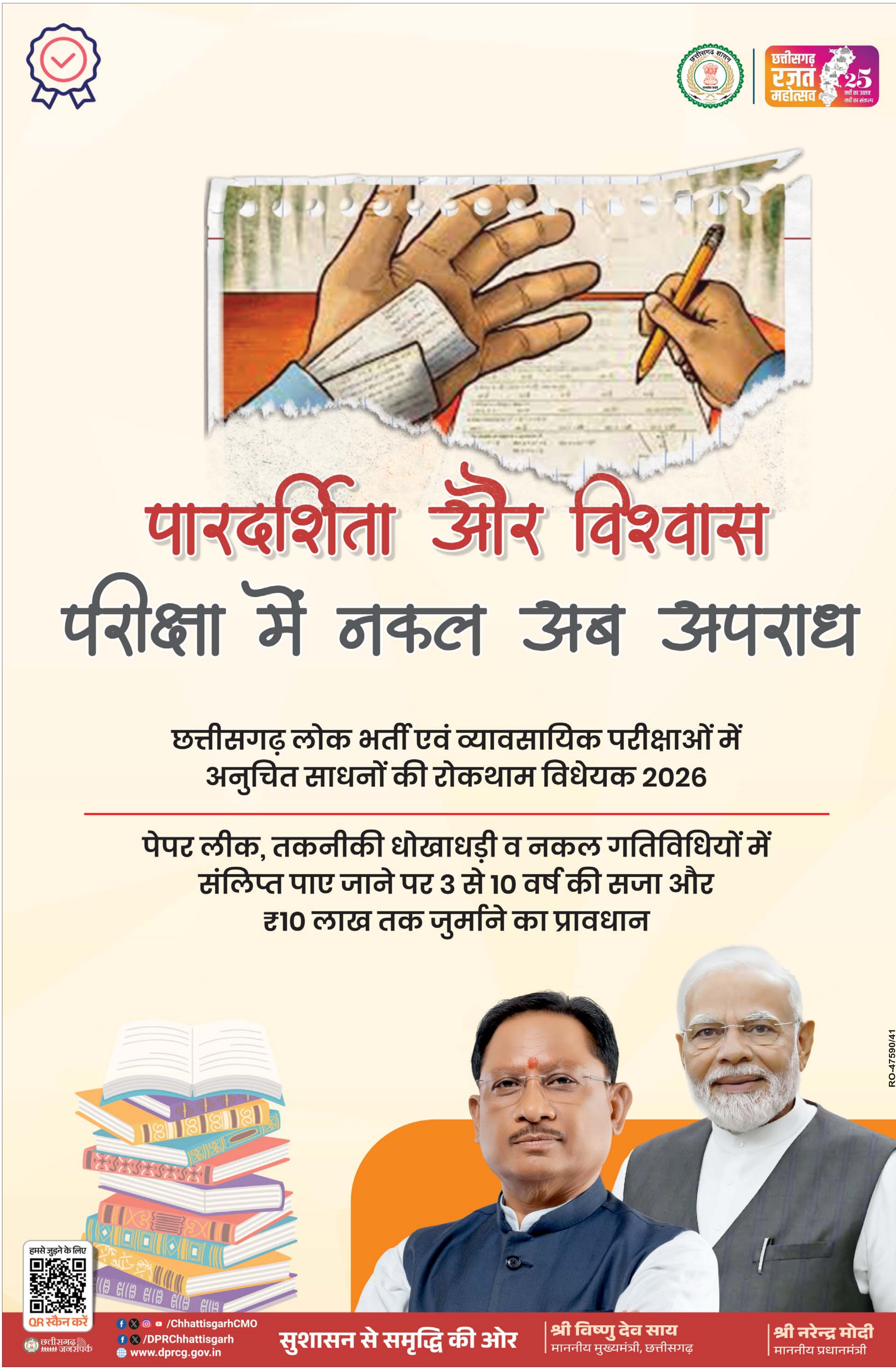

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950